RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 भारतीय अभिनेत्री बनीं सैयामी...

वर्ष : 26 अंक : 271 | website:www.Đchetnamanch.co | नोएडा, रविवार, 22 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

कानपुर में फिर ट्रेन पलटाने की साजिश, ट्रैक पर रखा सिलेंडर

कानपुर (एजेंसी)। दिल्ली- हावड़ा रेलमार्ग पर महाराजपुर के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की घटना सामने आई है। हालांकि ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक के बीच में सिलेंडर रखा देख ट्रेन रोक दी, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ।

लूप लाइन से कानपुर से प्रयागराज की तरफ मालगाड़ी जा रही थी। पुलिस और रेल अधिकारी मौके पर हैं। जांच की जा रही है। इससे पहले पनकी औद्योगिक क्षेत्र के पास साबरमती एक्सप्रेस का इंजन और 20 बोगी ट्रेन की पटरी से नीचे उतर गए थे।

लोको पायलट का दावा है कि लोहे की पटरी का टुकड़ा रखकर ट्रेन पलटने की कोशिश की गई। इसी तरह कुछ दिनों पहले कानपुर कासगंज रेल मार्ग पर ट्रैक के बीच गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की कोशिश हुई थी। दोनों ही मामलों में जांच चल रही है। लगभग 1 महीने की भीतर यह तीसरी घटना है।

लूप लाइन में पेट्रोमैक्स वाला खाली सिलेंडर रखा हुआ मिला है। प्लेटफार्म से 100 मीटर पहले प्रयागराज जाने की ओर। जीआरपी इंस्पेक्टर समेत रेलवे के अन्य अधिकारी भी पहुंच रहे है। प्रथम दृष्टया इसे शरारत मानकर जीआरपी चल रही है। चूंकि यहां आसपास बस्ती है ऐसे में लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। मौके पर एलआईयू की टीम भी पहुंच गई है।

रेलवे ने बताया- गुड्स ट्रेन कानपुर से प्रयागराज की ओर आने के दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर आ रही थी तो गाड़ी में कार्यरत लोको पायलट देव आनंद गुप्ता एवं सहायक लोको पायलट सीबी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा।

उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलेंडर से पहले रोक लिया। इसके पश्चात उन्होंने सभी संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी। इसके पश्चात रेलवे आईओडब्ल्यू, सुरक्षा बल सहित अन्य टीमों ने उसे सिलेंडर की जांच की और उसे ट्रैक से हटाया।

यह घटना प्रेमपुर स्टेशन पर सुबह 5ः50 की है इस सिलेंडर की जांच करने पर पता चला कि यह एक 5 लीटर का खाली सिलेंडर है जो की ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले रखा हुआ था। इस घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी ने बाइडेन को तोहफे में दी चांदी की ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की। बाइडेन ने पीएम मोदी का उनके आवास पर स्वागत किया। पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए कुछ खास तोहफे लेकर पहुंचे। पीएम ने प्रेसिडेंट बाइडेन को एक एंटीक सिल्वर ट्रेन का मॉडल गिफ्ट किया। इसके अलावा अमेरिकी की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन को मोदी ने पश्मीना शॉल तोहफे में दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को चांदी से बनी ट्रेन का एक मॉडल दिया। ये खूबसूरत मॉडल महाराष्ट्र के कारीगरों ने बनाया है। महाराष्ट्र अपने चांदी के काम के लिए मशहूर है। ये मॉडल 92.5त्न चांदी का बना है। इसमें बहुत बारीक काम किया गया है। इसमें नक्काशी, रेपाउसे और फिलीग्री जैसी कई पारंपरिक तकनीकों का इस्तेमाल हुआ है। यह मॉडल भाप के इंजन के जमाने की याद दिलाता है। इसमें कला और इतिहास का मिलाप देखने को मिलता है।

इस मॉडल के जरिए भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों को दिखाने की कोशिश की गई है। मेन कोच के दोनों तरफ दिल्ली टू डेलावेयर और इंजन के दोनों तरफ इंडियन रेलवे लिखा है। इसे हिंदी में भी लिखा गया है। यह लिखावट ठीक वैसे ही है, जैसे भारत में यात्री ट्रेनों पर होती है।

बाइडेन की पत्नी को दिया कश्मीरी पश्मीना शॉल

पीएम मोदी ने अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन को पश्मीना शॉल तोहफे में दिया गया। यह खूबसूरत शॉल जम्मू और कश्मीर से आया है। पश्मीना शॉल की कहानी चांगथांगी बकरी से शुरू होती है। यह बकरी लद्दाख की ऊंची पहाड़ियों में पाई जाती है। सर्दियों में इसकी खाल पर जो रेशे आते हैं, उन्हें पश्म कहते हैं। इन्हीं रेशों से पश्मीना शॉल बनता है। ये रेशे बहुत ही मुलायम और बारीक होते हैं। कारीगर इन रेशों को हाथों से कातकर धागा बनाते हैं। इसके लिए वो पीढ़ियों से चली आ रही तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। पश्मीना शॉल कई रंगों में आते हैं। इनको रंगने के लिए पेड़-पौधों और खनिजों से मिलने वाले रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। पश्मीना शॉल पीढ़ी दर पीढ़ी चलते हैं। ये अपने साथ कई यादें और भावनाएं समेटे हुए होते हैं।

बाइडेन के आंगन में प्रधानमंत्री की हनक

AUS- जापान ने भी माना-चीन से निपटने में भारत ही नेता

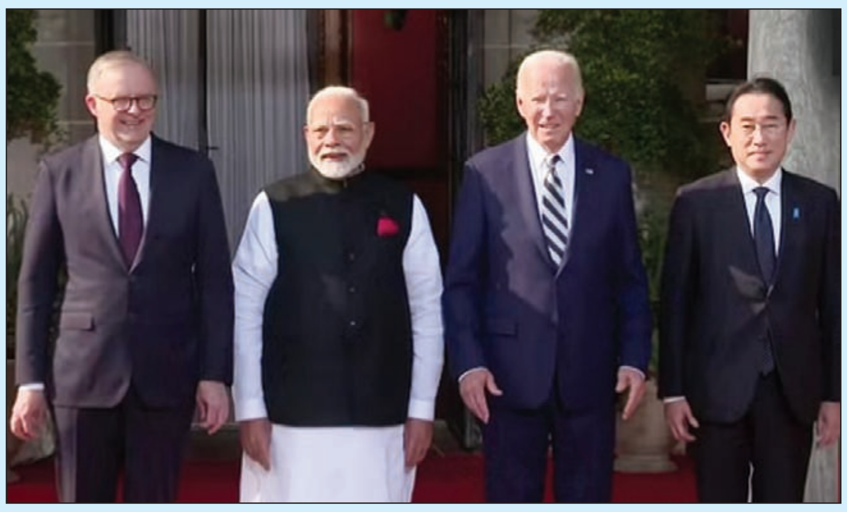

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं। वहां उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की और फिर क्वाड समिट में भी शरीक हुए. इस समिट में पीएम मोदी की साफ हनक दिखी, जब सभी क्वाड लीडर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के क्षेत्रीय नेतृत्व से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। क्वाड में शामिल तीनों देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका को मजबूत करने के लिए नरेंद्र मोदी की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने यह भी माना कि चीन से निपटने में भारत की उनकी अगुवाई करेगा।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि अमेरिका को हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के अनुभव और नेतृत्व से बहुत कुछ सीखना है।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बनीज ने पीएम मोदी के नेतृत्व में हिंद महासागर में एक बड़े ताकत के रूप में भारत की भूमिका पर जोर डाला। सूत्रों ने बताया कि जापान के प्रधानमंत्री किशिदा ने 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' के आयोजन के लिए पीएम मोदी की पहल की सराहना की और इस प्रयास के लिए जापान का समर्थन दिया।

पत्नी से वीडियो काल के दौरान कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली उपचार के दौरान हुई मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

थाना रबूपुरा में तैनात एक कांस्टेबल ने अपनी पत्नी से वीडियो कॉल पर बात करते समय हुए झगड़े के बाद गांव मोहम्मदपुर के पास थाने की जीप में सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार लिया। उसकी पत्नी ने घटना की सूचना थाना प्रभारी को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वह काफी दिनों से पारिवारिक समस्याओं को लेकर तनाव में था।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि 21 सितंबर की देर रात को आरक्षी अंकुर राठी (28 वर्ष) जिनकी तैनाती वर्तमान समय में थाना रबूपुरा में थी। वह थानाध्यक्ष की जीप में तेल डलवाने के लिए ग्राम मोहम्मदपुर जीप लेकर अकेले गया था। इसी बीच उनकी पत्नी का वीडियो कॉल आया। वीडियो कॉल के दौरान दोनों में विवाद हुआ तथा उसने सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार ली।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी ने थाना प्रभारी को घटना की सूचना दी। थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे तो वह जीप में लहूलुहान अवस्था में मिला। अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल में भेज दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि कांस्टेबल पारिवारिक कलह से परेशान था। वह 2016 बैच का कांस्टेबल था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रहकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस कांस्टेबल द्वारा आत्महत्या करने से पुलिस विभाग में तरह-तरह की चर्चा है। इस घटना के चलते पुलिस विभाग में शोक की लहर है।

देव दीपावली पर 12 लाख दीपों से रोशन होंगे काशी के 84 घाट

वाराणसी (एजेंसी)। काशी के लक्खा मेलों में शुमार देव दीपावली का उत्सव 15 नवंबर को मनाया जाएगा। इस बार 84 घाट 12 लाख दीपों से रोशन होंगे। दीपों की माला पहने हुए काशी के अर्धचंद्राकार घाटों की छटा अलौकिक और अद्भुत नजर आएगी। लोकल से ग्लोबल हो चुकी देव दीपावली को देखने के लिए देसी और विदेशी मेहमान भी काशी आएंगे।

देव दीपावली पर काशी के घाटों पर देवलोक उतरेगा। प्रदेश सरकार ने देव दीपावली को दिव्य व भव्य बनाने के लिए 12 लाख दीपों से घाटों और कुंडों को रोशन करने की तैयारी की है। योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के लिए इसे पहले ही प्रांतीय मेला घोषित कर चुकी है। देव दीपावली पर दिव्य लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी का भी आयोजन होगा।

राकेश टिकैत के नोएडा आगमन पर जिला अध्यक्ष ने की मुलाकात

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के आगमन पर जिला अध्यक्ष अशोक भाटी ने अगुवाई कर क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। आने वाली 30 सितंबर को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर भारतीय किसान यूनियन की होने वाली पंचायत से अवगत कराया। प्राधिकरण द्वारा किसानों की हो रही अनदेखी पर चर्चा की। बैठक के बाद चौधरी राकेश टिकैत दो दिवसीय यात्रा पर मध्य प्रदेश के लिए निकल गए वहां पर किसानों की पंचायत को संबोधित करेंगे।

इस दौरान चौधरी राकेश टिकैत ने कहा आने वाली 6 अक्टूबर लखनऊ महापंचायत को सफल बनाने हेतु आप सभी अपनी तैयारी सुनिश्चित करें। जिलाध्यक्ष अशोक पार्टी ने कहा गांव-गांव में 30 सितंबर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं 6 अक्टूबर लखनऊ टिकैत को

लेकर जनसंपर्क किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, मनोज मावी, विपिन प्रधान, रविंद्र भगत, सुंदर बाबा, नवल प्रधान, जोगिंदर कसाना, रविंद्र भाटी, शैलेश बेसोया, आजाद सैफी आदि मौजूद रहे।

तिरुपति का प्रसाद खाने वाले श्रद्धालुओं का पंचगव्य से हो सकेगा प्रायश्चित

वाराणसी। तिरूमला के प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलने के बाद श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हैं। श्रद्धालु अभक्ष्य प्रसाद ग्रहण करने के बाद चिंतित हैं। ऐसे में काशी विद्वत कर्मकांड परिषद ने श्रद्धालुओं को अभक्ष्य ग्रहण करने के प्रायश्चित कराने की बात कही है। श्रद्धालु विद्वतजनों से परामर्श लेकर अभक्ष्य ग्रहण करने का प्रायश्चित कर सकते हैं। काशी विद्वत कर्मकांड परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पूर्व अध्यक्ष आचार्य अशोक द्विवेदी ने कहा कि तिरुपति मंदिर के प्रसाद की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। यह सनातनधर्मियों की भावनाओं को आहत करने का प्रयास है।

26 साल बाद दिया प्लॉट वह भी आधा, सीईओ को नोटिस जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो प्राधिकरण की पहले आओ पहले पाओ वाली योजना के तहत दिल्ली के एक उपभोक्ता ने 2500 वर्ग मीटर का औद्योगिक भूखंड लिया था। इस मामले में 26 साल के लंबे अंतराल के बाद उपभोक्ता को एक हजार वर्ग मीटर का भूखंड आवंटित किया था। आयोग के फैसले से संतुष्ट नहीं होने पर उपभोक्ता ने एक बार फिर राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग में मदद के लिए गुहार लगाई थी। इस पर आयोग ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को नोटिस जारी किया है। साथ ही 15 नवंबर तक केस से जुड़े जवाब दाखिल करने और 24 दिसंबर को सुनवाई पर पेश होने के आदेश दिए हैं।

शिकायतकर्ता महेश मित्रा ने बताया कि वर्ष 2000 में प्रगति मैदान में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर भूखंड योजना निकाली थी। इसमें 500 से 1000 वर्ग मीटर के लिए आवेदन किया था। आवंटन नहीं होने पर महेश ने वर्ष 2005 में जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा

खटखटाया था। वर्ष 2006 को जिला फोरम ने प्राधिकरण को आवंटी की आवश्यकता अनुसार 1,000 वर्ग मीटर से 2,500 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल का भूखंड आवंटित करने के आदेश जारी किए थे।

जिला उपभोक्ता फोरम के आदेश के खिलाफ प्राधिकरण ने राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील दायर की थी।

2500 वर्ग मीटर का औद्योगिक भूखंड 750 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से दिलाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उपभोक्ता आयोग में गुहार लगाई थी। आवंटन के लिए 20 हजार रुपये जमा किया, लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में पैसे देने के बाद भी कब्जा नहीं दिया।

जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर ने ग्रेनो प्राधिकरण और उपभोक्ता महेश मित्र के मामले में अपना फैसला सुनाते हुए 21 जून को ग्रेनो प्राधिकरण को 1000 वर्ग मीटर वाले प्लाट को आवंटित करने के लिए आदेश दिए थे। इस आदेश से संतुष्ट न होने पर उपभोक्ता ने लखनऊ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग में अपील दायर कर 1000 के बजाय नियम अनुसार 2500 वर्ग मीटर का भूखंड दिलाने के लिए मांग की। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए राज्य आयोग ने 15 नवंबर तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को मामले से जुड़े जवाब दाखिल करने और 24 दिसंबर को होने वाली सुनवाई में पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है। आयोग ने चेतावनी दी है कि अगर सुनवाई पर कोई पेश नहीं होता है, तो एक तरफा फैसला सुनाया जाएगा।

विकसित भारत बनाने के लिए योगी एवं मोदी को मजबूत करें : नवाब सिंह नागर

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत आज निठारी में महाराणा प्रताप मंडल द्वारा स्थापित बूथ पर सदस्यता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ट नेता नवाब सिंह नागर ने कार्यकर्ताओं के साथ बूथ पर बैठकर पार्टी के लिए नए सदस्य बनाए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान महापर्व में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री उमेश त्यागी, मंडल अध्यक्ष गोपाल गौड़, संजय बैंसला, सुनील शर्मा, परमेंद्र बैरागी, संदीप, सरिता, राहुल प्रजापति एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

‘सिंधु जल संधि’

पाकिस्तान को ‘सिंधु की देन’ इसलिए कहा जाता है कि यदि सिंधु नदी पाकिस्तान से गायब हो जाए, तो वह पूरा देश पत्थरों और रेगिस्तान का ढेर हो जाएगा। पाकिस्तान की इस नियति की डोर भारत के हाथ में है। दोनों देशों के बीच ‘सिंधु जल संधि’ 1960 में हुई थी, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष ने की थी। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के तानाशाह राष्ट्रपति अयूब खान ने संधि के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के अनुसार झेलम, चिनाब, सिंधु नदियों का पानी पाकिस्तान में बहने दिया जाएगा। वह उस पानी का साधिकार उपयोग भी कर सकेगा। सतलुज, ब्यास, रावी नदियों पर भारत का अधिकार होगा। भारत सिंधु नदी के 20 फीसदी पानी का ही उपयोग कर सकता है, जबकि 80 फीसदी पानी पर अधिकार पाकिस्तान का होगा। बीते 6 दशकों से अधिक समय से यह संधि निरंतर लागू है, जबकि इस दौरान कई युद्ध भी हुए हैं। अब भारत सरकार ने पाकिस्तान की हुकूमत को नोटिस भेजा है कि ‘सिंधु जल संधि’ की सम्यक समीक्षा और परिवर्तन की जरूरत है। यह कड़ा संदेश बीते साल इस्लामाबाद को भेजे गए नोटिस का फॉलोअप है। सिर्फ इसी से पाकिस्तान कराहने और चिलचिलाने लगा है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुद्दा उठाने की चेतावनी देने लगा है। फिलहाल भारत पाकिस्तान से पानी छीनने की मुद्रा में नहीं है, लेकिन संधि का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तान 70 फीसदी तक पानी का इस्तेमाल कर रहा है और भारत 30 फीसदी पानी का उपयोग भी नहीं कर रहा है। दरअसल पाकिस्तान भारत की पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण में रोड़े अटकाता रहा है। मामला अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत तक भी गया है। झेलम नदी पर किशनगंगा पनबिजली प्रोजेक्ट की अनुमति अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने ही भारत को दी थी और चिनाब नदी पर भी पनबिजली का एक प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है, लेकिन पाकिस्तान विरोध करता रहा है। जल-संधि के विवादों के निपटान के लिए विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ की मध्यस्थता तक की नौबत आ सकती है। हालात ऐसे हैं कि यदि भारत कुछ समय के लिए झेलम, चिनाब नदियों के जल-प्रवाह को रोक दे, तो पाकिस्तान त्राहि-त्राहि करने लगेगा। प्यासा मरने और कृषि-संकट के हालात पैदा हो जाएंगे। जब पाकपरस्त आतंकियों ने उरी में आतंकी हमला किया था, तो भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। यह स्थिति आज भी है, क्योंकि भारत तब तक पाकिस्तान के साथ बातचीत करने को तैयार नहीं है, जब तक सीमापार आतंकवाद को रोका नहीं जाता। संवाद और आतंकवाद भी साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे गतिरोध के मद्देनजर संधि की समीक्षा कैसे संभव है? क्या उसके लिए दोनों का साथ-साथ बैठना अनिवार्य नहीं है? भारत की पर्यावरणीय और आर्थिक चिंताएं और सरोकार भी अंतरराष्ट्रीय हैं। भारत जलवायु-परिवर्तन के वैश्विक समझौतों से भी बंधा है। बीते साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने हस्तक्षेप किया और कहा कि वह किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं पर निर्णय लेने में सक्षम है। भारत असहमत रहा, क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत के बजाय तटस्थ विशेषज्ञ की मध्यस्थता के पक्ष में था। भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका निभाना चाहता है। 850 मेगावाट की रतले पनबिजली परियोजना उसकी इसी भूमिका का हिस्सा है। रतले से जो रोजगार सृजन होगा, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लिहाजा पाकिस्तान को जो नोटिस भेजा गया है, वह स्वच्छ एवं पर्यावरणीय ऊर्जा को विकसित करने के संदर्भ में भी है, ताकि उत्सर्जन के लक्ष्य हासिल किए जा सकें। सिंधु जल संधि का अगला कदम ऊर्जा को साझा करने का समझौता हो सकता है, लेकिन दोनों देशों में लगभग दुश्मनी ठनी है, तो ऐसे समझौते और संधियां कैसे संभव हैं? सबसे पहले यह प्रयास किया जाना चाहिए कि सिंधु जल संधि बरकरार रहे, ईमानदारी से उसे लागू करते रहें। युद्ध और आतंकवाद के बावजूद यह संधि बरकरार रही है, लिहाजा अब मौजूदा वैश्विक हालात के बावजूद अगले कदम पर विचार किया जा सकता है। यदि संधि की समीक्षा इतनी अनिवार्य है, तो उसके लिए बातचीत की मेज तक क्यों नहीं आ सकते? नई जल-संधि में देश के हितों को संरक्षण मिलना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि फिर शिवजी के वचन भी झूठे नहीं हो सकते। सब कोई जानते हैं कि शिवजी सर्वज्ञ हैं। सती के मन में इस प्रकार का अपार संदेह उठ खड़ा हुआ, किसी तरह भी उनके हृदय में ज्ञान का प्रादुर्भाव नहीं होता था॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जद्यपि प्रगट न कहेउ भवानी। हर अंतरजामी सब जानी॥
सुनहि सती तव नारि सुभाऊ। संसय अस न धरिअ उर काऊ॥
यद्यपि भवानीजी ने प्रकट कुछ नहीं कहा, पर अन्तर्यामी शिवजी सब जान गए। वे बोले-हे सती! सुनो, तुम्हारा स्त्री स्वभाव है। ऐसा संदेह मन में कभी न रखना चाहिए॥

जासु कथा कुंभज रिषि गाई। भगति जासु मैं मुनिहि सुनाई॥
सोइ मम इष्टदेव रघुबीरा। सेवत जाहि सदा मुनि धीरा॥
जिनकी कथा का अगस्त्य ऋषि ने गान किया और जिनकी भक्ति मैंने मुनि को सुनाई, ये वही मेरे इष्टदेव श्री रघुवीरजी हैं, जिनकी सेवा ज्ञानी मुनि सदा किया करते हैं॥

मुनि धीर जोगी सिद्ध संतत बिमल मन जेहि ध्यावहीं।
कहि नेति निगम पुरान आगम जासु कीरति गावहीं॥
सोइ रामु ब्यापक ब्रह्म भुवन निकाय पति माया धनी।
अवतरेउ अपने भगत हित निजतंत्र नित रघुकुलमनी॥
ज्ञानी मुनि, योगी और सिद्ध निरंतर निर्मल चित्त से जिनका ध्यान करते हैं तथा वेद, पुराण और शास्त्र ‘नेति-नेति’ कहकर जिनकी कीर्ति गाते हैं, उन्हीं सर्वव्यापक, समस्त ब्रह्मांडों के स्वामी, मायापति, नित्य परम स्वतंत्र, ब्रह्मा रूप भगवान श्री रामजी ने अपने भक्तों के हित के लिए (अपनी इच्छा से) रघुकुल के मणिरूप में अवतार लिया है।

(क्रमशः..)

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले?

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।

एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दु:ख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निर्माताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुर्माना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कत्तई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन-प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है।

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्रसम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

सवालों के घेरे में वक्फ बोर्ड

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ ऐसी सम्पत्ति से है जो परमार्थ के लिए दान कर दी गई हो। परमार्थ कार्यों में मजहबी कार्यक्रम भी शामिल किए जा सकते हैं। लेकिन दान करते समय दान करने वाले को यह भी स्पष्ट करना होगा कि अब वह या उसके वारिस इस सम्पत्ति को वापस नहीं ले सकेंगे। जो सम्पत्ति कुछ निश्चित समय के लिए दान में दी जाए और दान देते समय ही स्पष्ट कर दिया जाए कि पांच साल के लिए इस सम्पत्ति की आय का उपयोग परमार्थ के लिए किया जा सकता है, उसके बाद सम्पत्ति दान करने वाले के पास वापस लौट जाएगी तो वह वक्फ नहीं माना जाएगा। परोक्ष रूप से वक्फ सम्पत्ति अब दान करने वाले की रहती ही नहीं। इसलिए वापस लेने का प्रश्न ही समाप्त हो जाता है। यदि वह वक्फ वापस लेना भी चाहे तो यह सम्भव नहीं है। जो व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को वक्फ के लिए देता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वक्फ की गई सम्पत्ति को प्रबंध करने के लिए वाकिफ किसी मुतावली (न्यासी) की व्यवस्था करेगा। इस व्यवस्था के लिए मुतावली जो मेहनत करेगा, उसकी एवज में उसी वक्फ की आमदनी का कुछ हिस्सा मिल सकता है। कुल मिला कर वक्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है। वह अपनी सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए किसी मुतावली अर्थात न्यासी के हवाले कर देता है और उसका प्रयोग केवल परमार्थ के लिए हो सकता है। लेकिन वह अपनी सम्पत्ति किसी ऐसे मुतावली को भी दे सकता है जो पहले ही किसी सम्पत्ति का परमार्थ के लिए प्रबंधन कर रहा हो।

यानी पहले से ही बने हुए किसी ट्रस्ट को भी सम्पत्ति दान की जा सकती है, यदि दान का उद्देश्य एक समान हो। यह पद्धति हिंदोस्तान में इस्लाम के पैदा होने से भी पहले से चली आ रही है। भारत में लाखों मंदिर, अनाथालय, गोशालाएं, पाठशालाएं और गुरुकुल इत्यादि इसी पद्धति से चलते थे और अभी भी चलते हैं। अंग्रेजों के आने से पहले भी मस्जिदें, दरगाहें, मदरसे, यतीमखाने वगैरह भी इसी पद्धति से चलते थे। वक्फ, वाकिफ और मुतावली शब्द क्योंकि अरबी भाषा के हैं, इसलिए लगता है कि शायद यह कोई नई योजना है जो इस्लाम के पैदा होने के बाद से ही दुनिया में प्रकट हुई है। लेकिन वक्फ को लेकर असली काला धंधा 1857 के बाद हुआ और यह ब्रिटिश सरकार द्वारा विशेष उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए किया गया। 1857 में आजादी की पहली लड़ाई में सभी भारतीयों ने मिल कर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसमें देसी मुसलमान भी शामिल थे। यहां तक एकता थी कि स्वतंत्रता संग्रामियों ने उसी मुगल वंश के बहादुरशाह को हिंद का बादशाह घोषित कर दिया जिस मुगल वंश से देश को आजाद करवाने के लिए शिवाजी मराठा, महाराणा प्रताप, गुरु गोबिंद सिंह, बंदा बहादुर, लचित बडफूकन जैसों ने अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उद्देश्य केवल इतना था कि एकता बनी रहनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से इस स्वतंत्रता संग्राम में भारत की हार हुई और भारत पर ब्रिटेन का प्रत्यक्ष कब्जा हो गया। 1885 में कांग्रेस का जन्म हुआ और उसका उत्तर देने के लिए अंग्रेजों ने मेजर आप्रेशन से 1905 में मुस्लिम लीग को पैदा किया। 1857 के संग्राम पर मंथन किया गया। एक बात अंग्रेजों को स्पष्ट होने लगी थी कि भारत में अरब, तुर्क व मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमान संख्या में तो आटे में नमक के बराबर हैं, लेकिन भारत में से उनकी सत्ता का अंत हो जाने से उनका कष्ट हजार गुणा बढ़ा हुआ है। वे यह भी समझ चुके हैं कि अब वे अपने बलबूते भारत पर दोबारा कब्जा नहीं कर सकते। अब उनके लिए एक ही रास्ता बचा है कि डूबते जहाज में से जो बच जाए वही गनीमत है।

उनकी अपनी सत्ता का जहाज तो डूब ही चुका था। अब केवल उन्हें तिनकों का सहारा चाहिए था। ये तिनके देने में अंग्रेजों को भला क्या आपत्ति हो सकती थी। पहला तिनका मुस्लिम लीग थी, जो अंग्रेजों ने उनको 1905 में दिया था। मुस्लिम लीग पर कब्जा विदेशी मूल के शेखों और सैयदों का ही था। भारत के देसी मुसलमानों का उससे कुछ लेना-देना नहीं था। लेकिन ब्रिटिश सरकार की योजना देसी मुसलमानों को एटीएम मूल के मुसलमानों के शिकंजे में कसना था। उसके लिए मुस्लिम लीग बना भी ली। लेकिन उसके लिए पैसे का बंदोबस्त भी करना जरूरी था। अंग्रेज सरकार अपनी ओर से पैसा दे सकती थी, लेकिन अंग्रेज यहां का पैसा इंग्लैंड ले जाने के लिए आए थे, न कि यहां के कामों पर खर्च करने के लिए। इसका एक ही तरीका हो सकता था। देश भर में फैले मदरसों, वक्फों, मस्जिदों, दरगाहों, तुर्काक व मुगल शासन काल के दौरान इन विदेशी मूल के बादशाहों द्वारा रखी गई अरबों की सम्पत्तियों का नियंत्रण जनादेश एटीएम मूल के शेखों और सैयदों के हवाले कर दिया जाए। उससे दो लाभ होंगे। ये सैयद और शेख अंतिम दम तक अंग्रेज सरकार का समर्थन करेंगे। दूसरा ये देसी मुसलमानों पर नियंत्रण रखेंगे ताकि वे आजादी के आंदोलन से दूर रहें। तीसरी वक्फ सम्पत्तियों के केन्द्रीयकरण से एटीएम मूल के मुसलमानों के हाथ में अपार ताकत आ जाएगी और भारत में ही मजहब के नाम पर एक पक्ष खड़ा हो जाएगा। चौथा स्थानीय देसी मुसलमानों के हाथ से दरगाहों, मस्जिदों के प्रबंधन में हिस्सेदारी की संभावना सदा के लिए खत्म हो जाएगी और वे कभी भी स्वयं को विदेशी मूल के शेखों और सैयदों के कब्जे से मुक्त होने के बारे में सोचना भी बंद कर देंगे। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अंग्रेज सरकार ने मुस्लिम लीग की स्थापना के सात-आठ साल बाद ही वक्फ बोर्डों की स्थापना के कानून बना दिए। इस बोर्ड में कुल मिला कर गिनती के सदस्य होते हैं। वे मोटे तौर पर एटीएम मूल के सैयद, तुर्क या मुगल ही होते थे। इनके हाथ में देश की करोड़ों की सम्पत्ति का कब्जा दे दिया गया। बाद में जब मुस्लिम लीग, ब्रिटिश सरकार की साजिश और कांग्रेस की जल्दी सत्ता प्राप्ति की भूख से भारत का एक हिस्सा पाकिस्तान के नाम से अलग हो गया तो जो मुसलमान हिंदोस्तान छोड़ कर वहां चले गए, उनकी यहां रह गई सम्पत्ति का प्रश्न पैदा हुआ।

कायदे से वे सम्पत्तियां पाकिस्तान में चले गए क्षेत्रों से आने वाले हिंदू-सिखों में बांटी जानी चाहिए थीं। कुछ सीमा तक ऐसा हुआ भी। लेकिन कांग्रेस सरकार ने एक झटके से वह सारी सम्पत्ति वक्फ बोर्ड के हवाले कर दी। ध्यान रहे वक्फ बोर्ड का अभिप्राय है, यानी दस-पंद्रह सैयदों या शेखों के हवाले कर दी। पाकिस्तान जाने वाले मुसलमान अपनी सम्पत्ति मजहबी संस्थाओं के लिए दान करके नहीं गए थे। वे अपनी इच्छा या विवशता में भारत विरोध के कारण पाकिस्तान गए थे। इसलिए इस्लाम की मंशा के अनुसार भी उनकी सम्पत्ति वक्फ की तो हो ही नहीं सकती थी। वह सरकार के पास जानी चाहिए थी। लेकिन कांग्रेस भी अंग्रेज सरकार की तरह देसी मुसलमानों पर शिकंजा बनाने के लिए सैयदों और शेखों के आगे ही सिजदा करने लगी थी।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

राशिफल

आश्विन कृष्ण पक्ष : पंचमी

(विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन परेशान रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कोर्ट-कचहरी से बचें। सीने में विकार संभव है। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
राशि- अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम है। स्वास्थ्य लगभग ठीक है। व्यापार ठीक रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। डिस्टर्बेंस रहेगा स्वास्थ्य में। प्रेम, संतान ठीक-ठाक। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा और शारीरिक स्वास्थ्य भी मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। नकारात्मक ऊर्जा का संचार दिख रहा है। स्वास्थ्य मध्यम क्योंकि रक्तचाप ऊपर-नीचे हो सकता है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम, संतान, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वास्थ्य मध्यम है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन-हानि के संकेत हैं। जुबान पर नियंत्रण रखिएगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। थोड़ी सी घबराहट बेचैनी बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रेम में दूरी। बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान। अज्ञात भय सताएगा। शुभ समाचार मिलेगा।

तीनों तहसीलों में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

कुल 199 शिकायतें हुई दर्ज, 15 शिकायतों का किया गया निराकरण

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्ध नगर की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जनता ने 199 शिकायतें दर्ज कराई। जिसमें मात्र 15 शिकायतों का विभागीय अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया।

जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 199 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष मात्र 15 शिकायतों का समाधान विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर किया गया। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने तहसील जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की। इस मौके पर उन्होंने जनता की शिकायतों को सुना एवं जन सामान्य के द्वारा कुल 55 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 4 शिकायतों का निराकरण मौके पर किया गया। इस अवसर पर डीएम ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है।

उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारी गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण कराएं। जिससे संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील शर्मा, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, एसीपी ग्रेटर नोएडा सार्थक सेंगर, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप प्रमेय, तहसीलदार जेवर विवेक भदोरिया, नायब तहसीलदार जेवर प्रीति बालियान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 11 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई। जिसके सापेक्ष 4 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही कराया गया। दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी भू0अ0 बच्चू सिंह की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, यहां पर जनता के द्वारा कुल 133 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 7 शिकायतों का निस्तारण अधिकारियों के माध्यम से मौके पर किया गया।

डीएम ने जल भराव क्षेत्रों में जल निकासी के कार्यों का लिया जायजा

नोएडा(चेतना मंच)। जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने ग्राम रन्हेरा जेवर में पहुंचकर जल भराव से प्रभावित परिवारों को दी जा रही सुविधाओं एवं जल भराव क्षेत्रों में किये जा रहे पानी निकासी के कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता करते हुये प्रभावित परिवारों को दी जा रही सुविधाओं एवं जल भराव से आ रही समस्याओं का अनुश्रवण करते हुये प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद कराये जाने एवं जल भराव की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये। उन्होंने जल भराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुये नाराजगी व्यक्त की एवं नाला निर्माण करने वाली कार्यदायी संस्था के विरूद्ध ठोस कार्यवाही के भी सख्त निर्देश दिये।

जिला अधिकारी ने कहा कि जल भराव से प्रभावित परिवारों में खाद्यान्न राहत सामग्री का मानकों के अनुरूप वितरण सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाये। जल भराव क्षेत्रों में संक्रामक बीमारियां न फैल पाये इसके लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाये। स्वास्थ विभाग की टीमों द्वारा मेडिकल सुविधा मानकों के अनुरूप उपलब्ध करायी जाये ताकि ग्रामीण को अपने स्वास्थ्य को लेकर किसी भी असुविधा का सामना न पड़े। प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारे आदि का सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा विशेष ध्यान रखा जाये।

उप जिला अधिकारी जेवर द्वारा जल भराव के दौरान पानी निकासी की वर्तमान तक की कार्यवाही से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि जल निकासी की निरंतर कार्यवाही से जल भराव का लेवल कम हुआ है। संबंधित अधिकारियों के द्वारा निरंतर पानी निकासी की कार्यवाही की मॉनीटरिंग करते हुये वाटर लेवल कम करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही। तहसील, सिंचाई और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को फील्ड में रहने के लिए निर्देशित किया गया है, सिंचाई विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को जल भराव अंकुश लगाने के लिए फील्ड में रहने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही सिंचाई विभाग और लोक निर्माण विभाग को नालों को सफाई करने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जल भराव से प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न राहत सामग्री भी वितरित की जा रही है एवं पशुओं के चारे का भी वितरण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उप जिला अधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, एसीपी ग्रेटर नोएडा सार्थक सेंगर, तहसीलदार जेवर विवेक भदोरिया एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इफको फूलपुर में हिंदी सप्ताह समापन समारोह

प्रयागराज (चेतना मंच)। हिंदी सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन इफको घियानगर फूलपुर के सामुदायिक केन्द्र में भव्य तरीके से किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिव कुमार राय, संयुक्त आयुक्त, आयकर विभाग, प्रयागराज उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर शिव कुमार राय ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं से हिंदी के प्रति अपने प्रेम को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें अपनी मूल चीजों को साथ लेकर आगे बढ़ाना होगा। दूसरी भाषा का ज्ञान कोई बुराई नहीं है, उसका इस्तेमाल एक औजार की तरह करने के लिए जानना भी चाहिए। हिंदी हमारी मूल है तथा हमारी स्वभाविक भाषा है।

वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा हमें हिंदी बोलते हुए गर्व होना चाहिए। उन्होंने सभी अभिभावकों से कहा कि अपने बच्चों को हिंदी अवश्य पढ़ाएं। यह कार्यक्रम हिंदी भाषा के प्रति समर्पण और सम्मान को प्रदर्शित करता है, और हमें आशा है कि आने वाले वर्षों में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे।

प्रसिद्ध कवि मकदूम फूलपुरी ने अपनी कविताओं से सबका ध्यान आकर्षित किया। उनकी पंक्तियां रही सद्भाव के दीप जलाते रहेंगें। हिंदी को मन से मनाते रहेंगें। यह मन से ठान लिया कि इंग्लिश के साथ बच्चों को हिंदी पढ़ाते रहेंगें। प्रज्ञा मिश्रा, अजय कुमार मिश्र, लोकेन्द्र प्रताप सिंह, अशोक तिवारी व संतोष कुमार शुक्ल ने अपनी रचनाएं पढ़ी।

प्रतियोगिताओं में कविता पाठ, निबंध लेखन, और भाषण प्रतियोगिता शामिल थीं, जिसमें छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। राय ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, आपकी मेहनत और लगन ही भविष्य की नींव रखती है।

कार्यक्रम का संचालन हेमलता सिजोरिया तथा अरविन्द चौहान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी कार्य समिति के संयोजक अनिल कुमार गुप्ता ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः संजय वैश्य, एम.डी.मिश्र, ए.पी. राजेन्द्रन, संजय भंडारी, पी.के.सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक अरवेंद्र कुमार, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव, रजनीश कुमार मिश्र, अभय कुमार यादव ,सी बी सिंह तथा बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

राकेश वैद्य बने आम आदमी पार्टी के आरटीआई विंग के जिला अध्यक्ष

नोएडा(चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने श्रीकांत वैध को पार्टी की आरटीआई (सूचना का अधिकार) विंग के जिलाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के तहत, पार्टी श्रीकांत वैद्य के माध्यम से जनहित के मुद्दों पर अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का उद्देश्य रखा है। आरटीआई विंग का उद्देश्य सरकारी विभागों में सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना है, जिससे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में जनता को सही जानकारी तक पहुँचने में मदद मिले।

जिला अध्यक्ष राकेश अवाना ने बताया कि श्रीकांत वैद्य एक आरटीआई एक्टिविस्ट हैं और वह 20 सालों से जनता की आवाज़ आरटीआई के माध्यम से उठाते आ रहे हैं। जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने बताया नई नियुक्ति से पार्टी के स्थानीय संगठन को मजबूती मिलेगी और आरटीआई का उपयोग करते हुए शासन से जुड़े मुद्दों पर निगरानी रखी जाएगी।

अरुण विहार की प्रिया भार्गवा ने किया नोएडा का नाम रोशन

नोएडा (चेतना मंच)। मिस प्रिया भार्गवा, अरुण विहार, सेक्टर 37 की निवासी और आर्मी वेटरन की बेटी, ने हाल ही में दुबई में 14 सितंबर 2024 को मिस ग्लोबल इंटरनेशनल व्हीलचेयर 2024 का खिताब जीता है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

राजकीय संप्रेषण गृह में किशोरों को बांटी गई टी-शर्ट

नोएडा(चेतना मंच)। सक्सेना जनपद न्यायाधीश एवं श्रीमती ऋचा उपाध्याय अपर जिला जज /सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ सिविल जज जूडि सहित राजकीय संप्रेषण गृह किशोर स्थित फेस-टू नोएडा मेविधिक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमे निरुद्ध किशोरो के मुकदमों से संबंधित समस्याओं को सुना गया। जिसके संबंध मे प्रभारी अधीक्षक को यह निर्देशित किया गया कि जनपद गौतमबुद्ध नगर से सम्बद्ध जिस बालक के पास अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है तथा ऐसे किशोर जिनके जमानत प्रार्थना पत्र माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन है ऐसे किशोरो के प्रार्थना पत्र अविलम्ब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित किये जाये जिसके संदर्भ में किशोरो के मुकदमो मे शीघ्र

निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके वर्तमान मे जजुविनाइल जस्टिस कमेटी उच्च न्यायालय द्वारा निर्गत निर्देशो के अन्तर्गत सम्प्रेक्षण गृह में कौशल विकास के तहत किशोरो के लिए कम्प्यूटर क्लास. योग व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमो का संचालन नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है ताकि सम्प्रेक्षण गृह से रिहा होने के बाद किशोर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके।

उक्त विधिक कार्यक्रम मे श्रीमती ऋ चा उपाध्याय अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ नव नियुक्त महिला न्यायिक अधिकारी सुश्री जूही आनंद अतिरिक्त सिविल जज जू डि उपस्थित रहे जिनके द्वारा किशोर सम्प्रेक्षण गृह मे निवासित किशोरो को टी शर्ट वितरण की गई।

टेस्ला साइबरट्रक जितनी महंगी घड़ी पहने दिखे मेटा संस्थापक, एक साल में सिर्फ 20 ही बनतीं हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग को हाल ही में एक आकर्षक कलाई घड़ी पहने देखा गया। इस घड़ी की कीमत हैरान करने वाली है। बिजनेस इनसाइडर के अनुसार इस आर्म कैंडी, डी बेथ्यून डीबी 25 स्टारी वैरियस घड़ी की कीमत 90,000 डॉलर और 95,700 (75 लाख से 80 लाख रुपये) के बीच है। इस तरह इसकी कीमत भविष्य की टेस्ला साइबरट्रक के लगभग बराबर है, जिसकी कीमत 99,990 डॉलर रखी गई है।

नीलामी कंपनी बोनहम्स के घड़ी विशेषज्ञ ब्रायन ली ने बताया कि साल में यह घड़ी सिर्फ 20 पीस ही बनती है। स्विस घड़ी निर्माता की वेबसाइट के अनुसार, इस घड़ी में सफेद और

गहरे नीले रंग का डायल है, जिस पर सफेद सोने की पिन लगी हुई हैं, जो सितारों को दर्शाती हैं। पिन छोटे मिल्की वे पैटर्न से जुड़े हुए हैं, जिन पर 24 कैरेट सोने की पत्ती लगी हुई है।

यह पहली बार नहीं है जब जुकरबर्ग को प्रीमियम घड़ी पहने देखा गया है। हाल ही में मेटा के सीईओ ने इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी के कंधों पर हाथ रखे हुए एक सेल्फी पोस्ट की थी। उस दौरान उन्होंने पैटेक फिलिप घड़ी पहली थी, जिसकी खुदरा कीमत 141,400 डॉलर है।

न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, एक दशक पहले अपनी सादगीपूर्ण व्यक्तिगत शैली एक साक्षात्कार में जुकरबर्ग ने कहा था, मुझे लगता है कि अगर मैं अपनी ऊर्जा को अपने जीवन की मूर्खतापूर्ण या तुच्छ चीजों पर खर्च करता हूं, तो मैं अपना काम नहीं कर रहा हूं, और इस तरह, मैं अपनी सारी ऊर्जा को सर्वोत्तम उत्पादों और सेवाओं के निर्माण में लगा सकता हूं। यह हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचने और अपने मिशन को प्राप्त करने में मदद कर सकता हूं।

अब लगता है जुकरबर्ग की यह सोच और पहनावा भी बदल गया है। अब वे सोने की चेन, ढीले कर्ल और डिजाइनर कपड़े पहने दिखते हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने अमेरिकी गायक और रैपर टी-पेन की ओर से उपहार में दी गई सोने की चेन दिखाई थी। सोने की चेन में मेटा लोगो और एक विशिष्ट त्रिभुजाकार पेंडेंट था, जो टी-पेन के डिजाइन की पहचान है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 15वीं स्थापना दिवस मनाया

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने आज गर्व के साथ अपने 15वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारत भर में 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया। इस विस्तार के साथ, के बैंकिंग आउटलेट्स की कुल संख्या बढ़कर 966 हो गई है। नए बैंकिंग आउटलेट्स को विभिन्न राज्यों में बैंक की पहुंच को बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है-बिहार: 4 आउटलेट्स, हिमाचल प्रदेश: 1 आउटलेट, झारखंड: 2 आउटलेट्स, केरल: 2 आउटलेट्स, मध्य प्रदेश: 3 आउटलेट्स, महाराष्ट्र: 1 आउटलेट, ओडिशा: 2 आउटलेट्स, उत्तर प्रदेश: 2 आउटलेट्स, उत्तराखंड: 1 आउटलेट। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, पार्वीन कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, हमारे स्थापना दिवस पर इन नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपनी पहुंच बढ़ाने और प्रत्येक व्यक्ति और समुदाय को सशक्त बनाने वाले नवोन्मेषी और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधानों को प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। बैंक की यात्रा पर विचार करते हुए गोविंद सिंह, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, उत्कर्ष कोरइन्वेस्ट लिमिटेड के गठन से लेकर उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक बनने तक, पिछले वर्षों में विकास, सीखने और प्रतिबद्धता की एक शानदार यात्रा रही है। हमारे मूल कंपनी के समय से लेकर आज तक की हमारी यात्रा ने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने और वित्तीय समावेशन के अपने मिशन को पूरा करने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है। जैसे ही हम अपने 15वें स्थापना दिवस का जश्न मनाते हैं, इन 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे सामुदायिक सशक्तीकरण और आर्थिक विकास के लिए लगातार प्रयासों का प्रतीक है।

3 महीने से सुस्त पड़े डिफेंस कंपनियों के शेयरों ने भरी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन डिफेंस कंपनियों के शेयरों के लिए शानदार रहा है। इस दौरान दिग्गज कंपनियों के शेयरों का भाव 10 प्रतिशत तक चढ़ गया। पारस डिफेंस हो या मझगांव सबकी कीमतों में तेजी देखने को मिली है। बता दें, लम्बे समय से डिफेंस कंपनियों के शेयरों की रफ्तार सुस्त हो गई थी।

पारस डिफेंस के शेयर :बीएसई में कंपनी के शेयर आज 1055 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1122.05 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। पिछले 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 51 प्रतिशत का लाभ है।

हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड : बीएसई में इस डिफेंस कंपनी के शेयर कल 4233.35 पर खुले थे। कंपनी के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार को 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पिछले 3 महीने में यह डिफेंस स्टॉक 18 प्रतिशत नीचे लुढ़क गया था।

कोचीन शिपयार्ड: कल इस डिफेंस कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लग गया। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 1846.55 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। 3 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 17 प्रतिशत नीचे गिरा है।

मझगांव डॉक : इस डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार को 8 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव 4420.15 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीते 3 महीने के दौरान इस कंपनी ने सिर्फ 8 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड : इस डिफेंस कंपनी के शेयरों का भाव शुक्रवार को 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहा था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 279 रुपये के लेवल तक पहुंच गया।

टैरिफ महंगे होने से बीएसएनएन को फायदा, कई कंपनियों को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन प्रमुख मोबाइल कंपनियों के टैरिफ महंगे होने का फायदा बीएसएनएन को खूब मिला है। जुलाई में सरकारी कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल के ग्राहकों की संख्या 29.40 लाख बढ़ गई है। वहीं जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या जुलाई में भारी गिरावट आई है। दूरसंचार नियामक ट्राई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में एयरटेल के 16.9 लाख ग्राहक घट गए। वोडाफोन आइडिया के 14.1 लाख और जियो के 7.68 लाख ग्राहक घटे। यह सभी ग्राहक बीएसएनएल से जुड़ गए हैं।

गौरतलब है कि जुलाई में तीनों प्रमुख कंपनियों ने टैरिफ में 10-27 फीसदी तक इजाफा किया था। इससे बड़े पैमाने पर ग्राहक बीएसएनएल की ओर चले गए। बीएसएनएल का प्लान अभी भी सबसे सस्ता है। देश में कुल 120.5 करोड़ ग्राहक हैं। आंकड़ों के मुताबिक टैरिफ बढ़ने के बाद उत्तर पूर्व, महाराष्ट्र, राजस्थान, मुंबई, कोलकाता, तमिलनाडु, पंजाब, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, आंध्र प्रदेश सर्कल में ग्राहकों की संख्या घटी है। फिक्स्ड लाइन के कनेक्शन में एक फीसदी की तेजी आई है। यह 3.5 करोड़ रहा है। कंपनियों के महंगे प्लान की वजह से मोबाइल यूजर्स की जेब पर पहले के मुकाबले 25 फीसदी तक बोझ बढ़ गया है। आने वाले दिनों में टेलीकॉम कंपनियां फिर से यूजर्स को एक बड़ा झटका दे सकती है। ट्राई की नई पॉलिसी की वजह से ये कंपनियां एक बार फिर से अपने रिचार्ज प्लान महंगे कर सकती है। दरअसल, दूरसंचार नियामक ने दूरसंचार विभाग से फर्जी कॉल और मैसेज को लेकर नई पॉलिसी लाने के लिए कहा है। ये नई पॉलिसी 1 अक्टूबर 2024 से लागू हो जाएगा। इसके अंतर्गत जो टेलीकॉम कंपनियां इस नई पॉलिसी का पालन नहीं करेगी। उस पर भारी जुर्माना का प्रावधान किया गया है। वहीं ट्राई ने उन टेलीकॉम कंपनियों से भारी जुर्माना वसूलने का निर्देश दिया है, जो फर्जी कॉल्स और मैसेज रोकने में नाकाम रहेंगी। नियामक ने दूरसंचार विभाग से जुर्माना वसूलने के लिए टेलीकॉम कंपनियों की बैंक गारंटी जब्त करने तक का सुझाव दिया गया है।

अप्रैल से अगस्त के बीच यूपीआई के जरिए कितने रुपये का हुआ भुगतान? वित्त मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में डिजिटल भुगतान का मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया। मंत्रालय ने कहा है कि इस अवधि के दौरान डिजिटल भुगतान की लेनदेन की संख्या 8,659 करोड़ तक पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार यूपीआई लेनदेन का मूल्य 138 प्रतिशत की सीएजीआर (वार्षिक वृद्ध दर) से 2017-18 के 1 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 2023-24 में 200 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके अतिरिक्त, पिछले 5 महीनों (अप्रैल-अगस्त वित्त वर्ष 2024-25) में यूपीआई लेन-देन का मूल्य बढ़कर 101 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि भारत में डिजिटल भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डिजिटल भुगतान लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2017-18 के 2,071 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18,737 करोड़ हो गई।

मंत्रालय ने कहा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी 5 महीनों (अप्रैल-अगस्त) के दौरान लेन-देन की संख्या 8,659 करोड़ तक पहुंच गई है। लेन-देन का मूल्य 11 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ 1,962 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3,659 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके अतिरिक्त, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी 5 महीनों (अप्रैल-अगस्त) में कुल लेनदेन मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि यूपीआई भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की आधारशिला बना हुआ है। मंत्रालय के अनुसार यूपीआई ने देश में डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है, वित्त वर्ष 2017-18 में जो यूपीआई लेनदेन 92 करोड़ था, वह वित्त वर्ष 2023-24 में 129 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ बढ़कर 13,116 करोड़ हो गया। वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि यूपीआई जैसी तेज भुगतान प्रणालियों को अपनाने में लाने के प्रयासों ने वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जिससे लाखों लोगों के लिए वास्तविक समय पर सुरक्षित और निर्बाध भुगतान संभव हुआ है। अन्य देशों में भारत के डिजिटल भुगतान विस्तार पर प्रकाश डालते हुए, मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई और रूपे दोनों ही वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। इससे विदेशों में रहने और यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए सीमा-पार लेन-देन निर्बाध रूप से संभव हो रहा है। वर्तमान में, यूपीआई सात देशों में चलन में है। इनमें यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे प्रमुख बाजार शामिल हैं। इसके जरिए भारतीय उपभोक्ता और व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भुगतान कर और प्राप्त कर सकते हैं। मंत्रालय के अनुसार, हालिया विस्तार नई तकनीक (यूपीआई) के प्रयोग को और बढ़ाएगा।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 में नए लॉन्च, रोमांचक डील्स, ऑफर्स और बहुत कुछ का लाभ उठाएं

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा त्योहारी उत्सव, अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024, 27 सितंबर 2024 से शुरू होगा, जिसमें प्राइम सदस्यों के लिए 24 घंटे पहले एक्सेस मिलेगा। बेहतरीन डील्स, बड़ी बचत, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन और अमेजन डाट इन पर कैटेगरी में 25,000 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च के साथ इस त्योहारी सीजन का जश्न मनाएं। ग्राहक सैमसंग, रियलमी नारजो, वनप्लस, आईक्यूओओ, इंटेल, सोनी प्ले स्टेशन, हिंदुस्तान लिवर, पी एंड जी, लोरेल, टीसीएल, एसर, झायोमी, आईएफबी अप्लायंसेस, फेरेरो, एरियर, कुबेर इंडस्ट्रीज और यूरेका फोर्ब्ज सहित कई ब्रांडों से रोमांचक ऑफ़र्स की उम्मीद कर सकते हैं। इसके अलावा, इस त्योहारी सीज़न में अमेजन ग्राहकों के लिए भारत के छोटे व्यवसायों का समर्थन करना आसान बना रहा है, विशेष डील्स और विशेष रूप से चुनी गई कैटेगरी पर 70 प्रतिशत तक की छूट। ग्राहक एसबीआई डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 10 प्रतिशत तत्काल छूट प्राप्त कर सकते हैं अमेजन पे यूपीआई का उपयोग कर 1,000 रुपए के न्यूनतम ऑर्डर पर 100 रुपए का फ्लैट कैशबैक प्राप्त करें और 1,000 रुपए अमेजन पे बैलेंस जोड़ने पर 100 रुपए वापस पाएंइम ग्राहक जो त्योहार के दौरान अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करते हैं, वे 2,500 रुपए तक के वेलकम रिवॉर्ड्स का आनंद ले सकते हैं और अमेजन पर शॉपिंग के दौरान 5 प्रतिशत असीमित कैशबैक कमा सकते हैं अमेजन पे लेटर के साथ, योग्य ग्राहक 60,000 रुपए तक का त्वरित क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं और 600 रुपए तक के रिवॉर्ड्स का लाभ उठा सकते हैं चयनित अमेजन पे लेटर ग्राहकों को 100 रुपए तक के शॉपिंग रिवॉर्ड्स मिल सकते हैं (शर्तें लागू)। ग्राहक चयनित डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ भी उठा सकते हैं ग्राहक अमेजन पे गिफ्ट कार्ड पर 5 प्रतिशत तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं और चयनित ब्रांड गिफ्ट कार्ड खरीदते समय कैशबैक और तत्काल छूट के माध्यम से 15 प्रतिशत तक की बचत कर सकते हैं।

मोटे अनाज के प्रोडक्ट बेचकर 1.5 करोड़ की कमाई, पटना के इस इंजीनियर ने बिजनेस में गाड़ दिए झंडे

नई दिल्ली, एजेंसी। कोई भी बिजनस छोटा नहीं होता। हर बिजनस की शुरुआत छोटे स्तर से ही होती है। लेकिन अगर आप उस बिजनस में कुछ अलग कर देते हैं, तो बिजनस नाम और दाम, दोनों कमाने लगता है। ऐसा ही कुछ पटना के रहने वाले इंजीनियर आशीष रंजन ने। आशीष ने बीटेक की पढ़ाई की है। कुछ परिस्थितियां ऐसी बनीं कि इन्हें जॉब छोड़नी पड़ी। बाद उन्हें ओसीबी के नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया।

इन्होंने इस बिजनस को साल 2017 में अपने दोस्त बुद्धिसेन बिट्टू के साथ मिलकर शुरू किया था। आज इनके बिजनस का सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये है। ये केक और मिलेट्स (मोटे अनाज) के बेकरी प्रोडक्ट बनाते हैं। ओसीबी की सबसे खास बात है कि इनका स्टार्टअप मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि के कुकीज, मफिन, ब्राउनी आदि बनाता है। साथ ही ये केक भी बनाते हैं। इनकी बेकरी की चेन बिहार में 50 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार

भी देती है। साल 2012 में बीटेक करने के बाद आशीष ने एक मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब शुरू कर दी थी। हालांकि इस दौरान उनके कुछ पेपर बाकी थे। साल 2014 की बात है। वह दिल्ली में थे। तभी उनके पास घर से फोन आया। पता चला कि मां की तबीयत खराब है। वह तुरंत पटना लौटे। उन्होंने बताया कि मां को ब्रेन हेमरेज हो गया था। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ समय बाद मां का निधन हो गया। इससे वह काफी परेशान हो गए। इसके बाद वह वापस जॉब पर नहीं गए और पटना में भी काम शुरू कर दिया। आशीष बताते हैं कि साल 2017 की बात है। एक दोस्त के घर जन्मदिन था। उन्हें कस्टमाइज केक बनवाना था। वह कई मार्केट में घूमे लेकिन उन्हें कोई ऐसी दुकान नहीं मिली जो कस्टमाइज केक बनाती हो। यहां उनके दिमाग में कस्टमाइज केक बनाने का आइडिया आया। आशीष ने अपने पिताजी से 20 हजार रुपये उधार लिए और साल 2018 में अपने दोस्त बुद्धिसेन बिट्टू के साथ केक बनाने का बिजनस शुरू कर दिया। उन्होंने अपने बिजनस का नाम 'ऑनलाइन केक भेजो' रखा। ये लोगों की डिमांड पर कस्टमाइज केक बनाकर बेचते थे। केक के बिजनेस से आशीष बहुत ज्यादा खुश नहीं थे। इसमें उन्हें बहुत ज्यादा प्रॉफिट भी नहीं हो रहा था। साल 2019 में इनके पिताजी का भी निधन हो गया। इससे आशीष और ज्यादा डिस्टर्ब हो गए। उन्होंने बताया कि साल 2019-20 में मिलेट्स यानी मोटे अनाज की काफी चर्चा होने लगी थी। ऐसे में आशीष ने भी मोटे अनाज से कुकीज बनाने का प्लान बनाया। इसके लिए आशीष ने भागलपुर की एक एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से कुकीज बनाने की ट्रेनिंग ली और साल 2021 में कुकीज बनाने की दुनिया में कदम रख दिया। ओसीबी के आज देशभर में कई आउटलेट्स हैं जहां इनके प्रोडक्ट बिकते हैं। इनमें बिहार में 6 और उत्तर प्रदेश में 3 आउटलेट हैं। वे ज्वार, रागी, बाजरा और गेहूं से केक, पेस्ट्री, ब्रेड, बन, कुकीज आदि बनाते हैं। आशीष बताते हैं कि वह अपने इस बिजनस से 50 से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहे हैं। आशीष के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में उनके बिजनस ने 1.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। एग्रीकल्चरल कमोडिटीज, एनिमल फीड्स, फैशन एसेसरीज और फूड प्रिजर्वेशन के निर्माण और ट्रेडिंग में प्रवृत्त , फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड ने अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग खोलने का प्रस्ताव किया हैं. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 36.03 करोड़ करोड़ एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अपरेश नंदी ने कहा, क्योंकि कंपनी अपने आईपीओ की तैयारी कर रही है, जिससे हमें हमारी यात्रा और सफलता को प्रदर्शित करने पर गर्व है.वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हमें 3 स्टार एक्सपोर्ट हाउस के रूप में मान्यता दिए जाने से हमने कृषि निर्यात, जूट और फैशन एसेसरी निर्माण और फूड मैन्युफैक्चरिंग और फूड प्रिजर्वेशन सहित विभिन्न बिजनेस का निर्माण किया है. आगामी आईपीओ हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन को दर्शाता है. यह उभरते बाजारों में हमारी उपस्थिति को मजबूत कर, हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार कर और हमारी वैश्विक पहुंच को बढ़ाकर हमारे भावी ग्रोथ को बढ़ावा देगा. कृषि एक्सपोर्ट, जूट मैन्युफैक्चरिंग और कोल्ड स्टोरेज सॉल्यूशंस में ठोस फाउंडेशन के साथ हम हमारे ऑपरेशन को बढ़ाने, इनोवेशन को आगे ले जाने और उभरते ग्लोबल क्षेत्र में नए सुअवसरों का दोहन करने के लिए बेहतर स्थिति में है. यह कदम हमें दीर्घकालिक सफलता की स्थिति में पहुंचने के साथ निरंतर वैल्यू डिलीवर करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करता है. खंडवाला सिक्योरिटीज लिमिटेड के एसोसिएट डायरेक्टर, श्री रिनव मानसेता ने कहा, फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड अपने आगामी आईपीओ के साथ एक शानदार छलांग लगाने के लिए तैयार है. यह कदम विशेष रूप से उद्योग अनुभव, जोरदार ग्रोथ के रूप में और विस्तार और इनोवेशन के लिए महत्वपूर्ण अवसर को प्रदर्शित करता है. कंपनी ने निरंतर मर्चेंट निर्यात और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर फूड प्रिजर्वेशन तक अपने विभिन्न कारोबार में प्रभावशाली प्रगति प्रदर्शित की है. यह आईपीओ कंपनी के वित्तीय फाउंडेशन को मजबूत करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करेगा, व्यूहात्मक अधिग्रहणों को आगे बढ़ाएगा।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 'एलआईसी एमएफ मैन्यूफैक्चरिंग फंड'

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे पुराने फंड हाउस में शामिल एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एलआईसी एमएफ मैन्यूफैक्चरिंग फंड की शुरुआत की है. यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मैन्यूफैक्चरिंग थीम को फॉलो करती है. इस स्कीम का एनएफओ आज यानी 20 सितंबर, 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और यह चार अक्टूबर 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा. इस स्कीम के तहत 11 अक्टूबर, 2024 को यूनिट आवंटित किए जाएंगे. योगेश पाटिल और महेश बेंद्रे इस स्कीम को मैनेज करेंगे. इस स्कीम को निफ्टी इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग इंडेक्स (टोटल रिटर्न इंडेक्स) से लिंक किया जाएगा.

इस स्कीम का निवेश लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों और शेयरों से जुड़े इंस्ट्रुमेंट्स में मुख्य रूप से निवेश के जरिए लंबी अवधि में निवेश पूंजी में वृद्धि हासिल करना है. हालांकि, इस बात को लेकर किसी तरह का आश्वासन नहीं दिया गया है कि निवेश लक्ष्य हासिल हो जाएगा. न्यूनतम 5,000 रुपये और उसके बाद एक रुपये के गुणकों वाली रकम के साथ एनएफओ के दौरान आवेदन/ स्विच इन किया जा सकेगा.

इस स्कीम का लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की अलग-अलग कंपनियों में निवेश करना है, जिनमें ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, केमिकल, हेवी

इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, धातु, शिपबिल्डिंग और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं. हालांकि, यह दायरा इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं है.

नए फंड ऑफर को लेकर एलआईसी म्यूचुअल फंड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर आर के झा ने कहा,भारत की मजबूत जीडीपी वृद्धि, तेजी से हो रहा शहरीकरण, मध्य वर्ग की बढ़ती आबादी, निर्यात को लेकर सरकार की पहल और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम और मेक इन इंडिया जैसे नीतिगत पहलों से विनिर्मित वस्तुओं की मांग में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है. इनके परिणामस्वरूप देश को दुनिया के लिए एक मैन्यूफैक्चरिंग हब के तौर पर विकसित किया जा रहा है. इसके साथ ही, 2027 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की अहम भूमिका रहने वाली है. इससे मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के निवेशकों को इससे जुड़े सेक्टरों के वर्तमान परिदृश्य से लाभ मिल सकता है. एलआईसी म्यूचुअल फंड के चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर (इक्विटी) योगेश पाटिल ने कहा,पिछले दो दशकों में, भारत के ग्रॉस वैल्यू एडेड में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि धीमी रही है क्योंकि खपत और सेवा क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि के सबसे बड़े वाहक रहे हैं. हालांकि, इसमें बदलाव की संभावना है क्योंकि सरकार के सुधारों का लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को आर्थिक वृद्धि का अहम इंजन बनाना है. मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम जैसी पहलों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में हो रहे बदलाव मिलकर भारत के लिए चीन प्लस वन और यूरोप प्लस वन के अवसर पैदा कर रहे हैं.

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर इको-फ्रेंडली परिवहन को नई परिभाषा देते हुए ई-ब्लू सिटी लॉन्च किया

भोपाल। नए-नए तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों बनाने वाली प्रमुख कंपनी, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर ई-ब्लू सिटी को लॉन्च किया है। ऑटो के आकार का यह नया ई-रिक्शा शहरों में यात्रा करने के अंदाज को बदलने के लिए तैयार है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1,99,999 रुपये है। ई-ब्लूसिटी को शहरों में यात्रा करने के लिए स्थायी और प्रभावी साधनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ई-ब्लू सिटी में ड्राइवर के अलावा चार लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह भीड़भाड़ वाली शहर की गलियों में घूमने का आदर्श विकल्प है। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के डायरेक्टर और सीईओ श्री हैदर खान ने इस लॉन्च के बारे में कहा, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की कंपनी बिजली से चलने वाली गाड़ियों को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है। उनका लक्ष्य है कि हर कोई आसानी से और प्रदूषण रहित गाड़ी चला सके। ई-ब्लू सिटी इसी कोशिश का हिस्सा है। इस गाड़ी को बनाने में इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि यात्री और ड्राइवर दोनों को यात्रा करने में बहुत मज़ा आए। लेकिन सिर्फ अपनी गाड़ी का होना ही काफी नहीं है। बसों और अन्य सार्वजनिक वाहनों को भी प्रदूषण मुक्त बनाना बहुत जरूरी है। वर्ल्डईवी डे पर ई-ब्लू सिटी को पेश करके कंपनी ने दिखाया है कि वे एक हरा-भरा और बेहतर भविष्य चाहते हैं। कंपनी को पूरा यकीन है कि यह गाड़ी भारत के शहरों में यात्रा करने के तरीके को बदल देगी। यह दिखाता है कि कंपनी नई-नई गाड़ियां बनाने और पर्यावरण को बचाने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

ई-ब्लू सिटी के आयाम को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। इसमें 2170 एमएम का व्हीलबेस, 993 एमएम की कुल चौड़ाई, 2795 एमएम की कुल लंबाई और कुल मिलाकर 1782 एमएम की ऊंचाई शामिल है। 240 एमएम की न्यूनतम ग्राउंड क्लीयरेंस की वजह से यह ई-रिक्शा शहरों में अलग-अलग जगहों तक आराम से जा सकता है। ई-रिक्शा का डिजाइन ऑटो के आकार का बनाया गया है। इसे चलाते समय ड्राइवर को सामने का ट्रैफिक स्पष्ट रूप से नजर आता है।

अफगानिस्तान की वनडे में सबसे बड़ी जीत

गुरबाज ने कोहली की बराबरी की, बर्थडे पर राशिद ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

शारजाह, एजेंसी। अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को शुक्रवार (20 सितंबर) को दूसरे वनडे में हराकर इतिहास रच दिया। अफगानिस्तान ने 3 मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान ने 177 रन से जीत दर्ज की। पहली बार दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय सीरीज खेली जा रही है। अफगानिस्तान के इस जीत के हीरो रहमानुल्लाह गुरबाज और बर्थडे ब्वॉय राशिद खान रहे। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 110 गेंद पर 10 चौके और 3 छक्के की मदद से 105 रन बनाए। यह उनका वनडे में 7वां शतक था। अफगानिस्तान के लिए वह सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। 23 साल के होने से पहले सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में वह संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उनके अलावा विराट कोहली के नाम 7 शतक है। सचिन तेंदुलकर और क्विंटन डिकॉक के 8-8 शतक है।

बर्थडे पर राशिद ने किया कमाल – राशिद खान ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए। वह बर्थडे पर वनडे में 5 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। इससे पहले बर्थडे पर सबसे बढ़िया गेंदबाजी प्रदर्शन वर्नोन फिलेंडर और स्टुअर्ट ब्रॉड के नाम था। फिलेंडर ने आयरलैंड के खिलाफ 2007 में 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे। ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010 में 44 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

अफगानिस्तान की रन के हिसाब से सबसे बड़ी जीत

अफगानिस्तान ने 177 रन से साउथ अफ्रीका को हराकर वनडे में रन के हिसाब से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले 2018 में शारजाह में ही उसने जिमबाब्वे को 145 और 146 रन से हराया था। 2023 में बांग्लादेश को चट्टोग्राम में 142 रन से हराया था। आयरलैंड को शारजाह में 2017 138 रन से हराया था। रन के हिसाब से साउथ अफ्रीका की यह 5वीं सबसे बड़ी हार थी। भारत से सबसे बड़ी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। कोलकाता में 2023 में 243 से हराया था।

पूर्व बांग्लादेशी कप्तान ने चोटिल शाकिब पर सवाल खड़े किए

बोले- चार गेंदबाजों के साथ खेली टीम

चेन्नई । बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को चोटिल होने के बावजूद भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में जगह देने पर सवाल खड़े किए हैं। तमीम ने बताया कि शाकिब को अंगुली और कंधे में दिक्कत हो रही थी। तमीम के अनुसार, बांग्लादेश की टीम पहले टेस्ट मैच में चार गेंदबाजों के साथ खेलने उतरी।

शाकिब को पिछले साल वनडे विश्व कप के दौरान श्रीलंका के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए अंगुली में चोट लगी थी और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में संघर्ष कर रही है। भारतीय टीम ने मेहमान टीम के सामने जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य रखा है। जवाब में बांग्लादेश की टीम ने 135 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए हैं।

तमीम ने कहा, शाकिब के गेंदबाजी के लिए नहीं आने पर मुझे आश्चर्य हुआ, लेकिन मुझे मेरे साथी कमेंटेटर मुरली कार्तिक से कुछ जानकारी मिली जिन्होंने उनके साथ बात की थी। शाकिब को अंगुली में कुछ दिक्कत थी जिसकी सर्जरी भी हुई थी और उनके कंधे में भी परेशानी है। मेरा मानना है कि टीम प्रबंधन को टेस्ट मैच से पहले यह बात पता होनी चाहिए थी क्योंकि उन्होंने सही से संपर्क नहीं किया। इस कारण बांग्लादेश को चार गेंदबाजों के साथ खेलना पड़ा जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

गेंदबाजी में प्रभावित नहीं कर सके शाकिब

पहली पारी में जब भारत बल्लेबाजी कर रहा था तो शाकिब ने सिर्फ आठ ओवर गेंदबाजी की थी और 6.2 के इकॉनोमी रेट से 50 रन लुटाए थे। बांग्लादेश के अन्य गेंदबाजों को 18 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी करनी पड़ी क्योंकि भारत ने 376 रन बनाए थे। दूसरी पारी में शाकिब ने 32 रन बनाए और वह बांग्लादेश के शीर्ष स्कोरर रहे और टीम पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हुई। शाकिब ने फिर भारत की दूसरी पारी में 13 ओवर गेंदबाजी की और 79 रन लुटाए, लेकिन उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

चेस ओलिंपियाडः

9वें राउंड के बाद भारत पहले स्थान पर

● उज्बेकिस्तान से ड्रॉ खेला; विमेंस कैटेगरी में भारतीय टीम दूसरे नंबर पर खिसकी

नई दिल्ली, एजेंसी। 45वें फिडे चेस ओलिंपियाड में उज्बेकिस्तान ने भारत के लगातार 8 मैच की विनिंग स्ट्रीक पर रोक लगा दी। ओपन रैंकिंग में भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान से हुआ। दोनों टीम ने 2-2 से ड्रॉ खेला। भारत नौ राउंड पूरा होने के बाद ओपन कैटेगरी में 17 पॉइंट्स के बाद टॉप पर है। वहीं विमेंस कैटेगरी में 15 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गया हैं। टूर्नामेंट का 11वां और फाइनल राउंड 22 सितंबर को खेला जाएगा। शुक्रवार को नौवें राउंड के ओपन कैटेगरी में भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने उज्बेकिस्तान?के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक के साथ 0.5-0.5 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा सभी मैच ड्रॉ रहें। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में चल रहे टूर्नामेंट में भारतीय विमेंस टीम का मुकाबला भी ड्रॉ रहा। अमेरिका और भारत को 2-2 पॉइंट मिले। चेस ओलिंपियाड के हर राउंड में 4 इंडिविजुअल मुकाबले होते हैं। हर मुकाबले को जीतने पर एक अंक मिलता है, जबकि ड्रॉ की स्थिति में आधा अंक मिलता है। फिर टोटल अंकों के आधार पर उस राउंड का विनर डिसाइड होता है।

'सोए हैं सब लोग...', गुस्से में इस खिलाड़ी पर चिल्लाए रोहित शर्मा

स्टंप माइक पर रिकॉर्ड हुई आवाज

भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई के चेपॉक में दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। यह मुकाबला रोमांचक स्थिति में पहुंच चुका है। भारत ने 515 रनों का लक्ष्य रखा है, जिसके जवाब में बांग्लादेश की दूसरी पारी जारी है। वैसे तो जब टीम इंडिया टेस्ट खेलती है तो स्टंप माइक में विकेटकीपर ऋषभ पंत की आवाज रिकॉर्ड होना आम बात है, लेकिन जब से रोहित शर्मा कप्तान बने हैं, कई बार उनकी मजाकिया बातें स्टंप माइक में रिकॉर्ड हो चुकी है। %कोई गार्डेन में नहीं घूमेगा% वाले कमेंट को कौन भूल सकता है। अब रोहित का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वह फील्डर पर भड़कते हुए दिख रहे हैं।

रोहित की अपने खिलाड़ियों से बात करने की अलग शैली है। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान रोहित को एक फील्डर पर गुस्सा करते हुए देखा गया था। उन्होंने कहा, %ओए, सोए हुए हैं सब लोग%। वायरल हुए वीडियो में साफ नहीं हो पा रहा है कि रोहित शर्मा किस पर चिल्ला रहे हैं। इस मैच में बांग्लादेश की दूसरी पारी के दौरान रोहित को शुभमन के साथ भी बातचीत करते हुए देखा गया।

वह गिल को कुछ समझाते हुए दिख रहे थे।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट में खराब प्रदर्शन जारी है। वह दोनों पारियों में दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। पहली पारी में उन्होंने केवल छह और दूसरी में पांच रन बनाए। यह चौथा मौका है, जब वह किसी टेस्ट की दोनों पारियों में से किसी में दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ चार टेस्ट और पांच पारियों में रोहित ने 8.80 की औसत से महज 44 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर सिर्फ 21 रन का है।

हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ रोहित के सभी प्रारूपों को मिलाकर आंकड़े बेहतर हैं। उन्होंने 34 मैचों की 35 पारियों में 40.84 की औसत से 1,307 रन बनाए हैं, जिसमें तीन चौके और आठ अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 रन का है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में रोहित ने 41.82 की औसत से 711 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। 131 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

चेन्नई टेस्ट में ड्राइविंग सीट पर टीम इंडिया

तीसरे दिन गिल-पंत और अश्विन छाए

इंडिया वर्सेस बांग्लादेश पहला टेस्ट चेन्नई के मैदान पर खेला जा रहा है। तीसरे दिन भी भारत का दबदबा जारी रहा। चेन्नई में टीम इंडिया ड्राइविंग सीट पर है। मेजबान भारत ने बांग्लादेश के सामने 515 रन का विशाल लक्ष्य रखा। खराब रोशनी के कारण शनिवार को जल्दी खत्म हो गया। स्टंप्स के समय बांग्लादेश का दूसरी पारी में स्कोर 37.2 ओवर में 158/4 था। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 51 और शाकिब अल हसन 5 रन बनाकर नाबाद हैं। मुश्फिकुर रहीम और मोमिनुल हक ने 13-13 रन का योगदान दिया। शादमान इस्लाम ने 35 और जाकिर हसन ने 33 रन बनाए। स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अभी तक तीन विकेट चटकाए हैं। जसप्रीत बुमराह ने एक शिकार किया।

इससे पहले, भारत ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित की। शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने शतक जड़ा। गिल 176 गेंदों में 119 रन बनाकर नाबाद रहे। टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए पंत ने 128 गेंदों में 109 रन जुटाए। केएल राहुल 22 रन बनाकर नाबाद रहे। बता दें, टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में रविचंद्रन अश्विन के शतक और रविंद्र जडेजा व यशस्वी जायसवाल की फिफ्टी के दम पर 376 रन बोर्ड पर लगाए। इसके जवाब में बांग्लादेश पहली पारी में 149 रनों पर ही सिमट गया। भारत को पहली पारी के बाद 227 रनों की बढ़त मिली थी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट

कोणार्क सूर्य ओडिशा ने मणिपाल टाइगर्स को दो रनों से दी मात

जोधपुर, एजेंसी। कोणार्क सूर्य ओडिशा ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के अपने पहले मैच में गत चैम्पियन मणिपाल टाइगर्स को दो रन से हराकर अपनी पहली जीत हासिल की। यह कम स्कोर वाला मैच दोनों टीमों के गेंदबाजों द्वारा अच्छी तरह से नियंत्रित किया गया, लेकिन अंत में ओडिशा की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ दिया। टॉस जीतने के बाद, मणिपाल टाइगर्स के कप्तान हरभजन सिंह ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले इनिंग्स में बल्लेबाजी के लिए रिचार्ड लेवी और अम्बाती रायडू ने कोनार्क सूर्य ओडिशा के लिए पारी की शुरुआत की। उन्हें जल्दी ही एक झटका लगा, जब अम्बाती रायडू (8) को अनुरीत सिंह ने केवल 14 के स्कोर पर 1.4 ओवर में आउट कर दिया। लेवी के साथ केविन ओब्रायन ने मध्य में बल्लेबाजी की। ओडिशा की टीम फिर 3.3 ओवर में 28/3 पर पहुंच गई। रिचार्ड लेवी ने 6 गेंदों पर केवल 6 रन बनाए, जबकि केविन ओब्रायन ने 5 गेंदों पर 6 रन बनाए।

दिलशान मुनावेरा (11) ने मध्य में कुछ इरादा दिखाया, लेकिन 32 के स्कोर पर ओबुस पिएनार द्वारा स्टम्प आउट कर दिया गया। कप्तान इरफान पठान ने 23 गेंदों में 18 रन की शानदार पारी खेली, इसके बाद उन्हें हरभजन सिंह ने क्लीन बोल्ड किया। यूसुफ पठान (3) और राजेश बिश्नोई (3) भी अच्छा स्कोर नहीं बना सके। रॉस टेलर केवल 28 गेंदों में 14 रन बना सके। पारी के अंत में, नविन स्टीवर्ट ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाए और विनय कुमार 5 गेंदों पर 11* रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे उनकी टीम 20 ओवर में 104/9 का कुल स्कोर खड़ा कर सकी।

मणिपाल टाइगर्स के लिए, ओबुस पिएनार सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 2/10 के आंकड़े दर्ज किए। अनुरीत सिंह ने भी 4 ओवर में 2/26 लिए। कप्तान हरभजन सिंह, शेल्डन कॉट्रेल और राहुल शुक्ला ने इस इनिंग में एक-एक विकेट लिया। 106 के लक्ष्य का पीछा करते हुए, रॉबिन उथप्पा और सोलोमन मिरे ने मणिपाल टाइगर्स के लिए पारी की शुरुआत की। शाहबाज़ नदीम ने इनिंग्स की दूसरी गेंद पर उथप्पा को डक पर आउट करके पहला विकेट लिया। मिरे को फिर मध्य में मनोज तिवारी का साथ मिला। वे 2.5 ओवर में 4/3 पर पहुंच गए।

मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए हार्दिक पांड्या की हो सकती है वापसी; रणजी भी खेलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के एक बड़े दौरे के मद्देनजर, भारत के सफेद गेंद विशेषज्ञ हार्दिक पांड्या आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भाग लेकर ब्रेक के बाद एक्शन में लौटने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि भारत का यह ऑलराउंडर भी अपने राज्य के लिए रणजी ट्रॉफी खेलना चाहता है, जो रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी और फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने की उम्मीद का संकेत है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि 2024 में टी20 विश्व कप में भारत की जीत के स्टार पांड्या के बड़ौदा के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलने की संभावना है।सूत्रों के मुताबिक, भारत के ऑलराउंडर ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट खेलने की इच्छा व्यक्त की है। सूत्र ने बताया, रणजी ट्रॉफी में भी हार्दिक खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज को ध्यान में रखते हुए वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी की तलाश में हैं। पांड्या मौजूदा दलीप ट्रॉफी में शामिल नहीं हैं, लेकिन ऐसा महसूस किया जा रहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने की उनकी इच्छा प्रतिष्ठित पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल होने का एक प्रयास हो सकती है। हार्दिक ने आखिरी बार जून में टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद जुलाई में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ दो टी20 मैचों में सफेद गेंद से क्रिकेट खेला था।

'एक इधर आएगा', ऋषभ पंत ने लिए बांग्लादेशी खिलाड़ियों के मजे

खुद सेट की मेहमानों की फील्डिंग

चेन्नई । बांग्लादेश के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मुकाबले के तीसरे दिन ऋषभ पंत ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शानदार शतकीय पारी के साथ टेस्ट क्रिकेट में वापसी की। अब उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें मेजबानों की फील्डिंग सेट करते देखा जा रहा है। फैंस को उनका यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

पंत ने लिए बांग्लादेशी खिलाड़ियों के मजे

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर मैदान पर खिलाड़ियों की चुटकी लेते दिखते हैं। ऐसा ही कुछ 26 वर्षीय खिलाड़ी ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मुकाबले में किया। उन्हें मेहमानों की फील्डिंग सेट करते देखा गया। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें पंत को कहते हुए सुना जा सकता है, ÷भाई एक इधर मिडविकेट पर आएगा।÷ पंत ने जिस वक्त फील्डिंग सेट की उस दौरान गिल स्ट्राइक पर मौजूद थे। पंत की इस सलाह पर कमेंटेटर भी हंस पड़े।

एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए हरमनप्रीत सिंह नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। 28 वर्षीय डिफेंडर ने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता था। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए फिर से नॉमिनेट होना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों में शामिल होने पर मैं बहुत खुश हूं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि यह मेरी टीम के समर्थन के बिना संभव नहीं हो पाता। एफआईएच हॉकी प्रो लीग और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में मैंने जितने भी गोल किए हैं, वे सब टीम की बदौलत ही संभव हो पाए हैं।

हरमनप्रीत को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों को ध्यान में रखने के बाद थियरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैक वालेस (इंग्लैंड) के साथ नामित किया गया है।

हॉकी के कैप्टन कूल ने अपने शानदार डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर से बेहतरीन गोल करने की क्षमता के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 में कांस्य पदक जिताया। उन्होंने ओलंपिक में आठ मैचों में 10 गोल किए, जिनमें से सात गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए जबकि बाकी तीन गोल पेनल्टी स्ट्रोक से आए। उन्होंने कहा, पेरिस 2024 ओलंपिक न केवल इस साल का सबसे शानदार टूर्नामेंट था, बल्कि मेरे अब तक के पूरे करियर का सबसे शानदार सफर था। टीम ने हमेशा मेरा साथ दिया है, खासकर पिछले साल विश्व कप के दौरान, जब मैं पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं कर पा रहा था। लेकिन टीम ने मुझे किसी भी तरह से खुद को दोषी नहीं मानने दिया जबकि उन्होंने ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने और पदक जीतने के लिए समर्थन दिया। मेरे दिमाग में हमेशा यह बात रही कि मुझे टीम द्वारा मुझ पर रखे गए भरोसे पर खरा उतरना है।

ओलंपिक खेलों के बाद छोटे ब्रेक से लौटने के बाद, हरमनप्रीत ने चीन के मोकी में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 पर अपनी नजरें टिकाईं। टीम की अगुवाई करते हुए उन्होंने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए, जिसमें भारत ने चीन में अपना खिताब बरकरार रखा।

वैज्ञानिक युग में आज बहुत से लोग प्रेतात्माओं के अस्तित्व पर भरोसा नहीं करते हैं, बावजूद कुछ लोग इसे आज भी मानते हैं। भले ही विज्ञान इसकी पुष्टि नहीं करता हो, लेकिन दुनियाभर में कई रहस्यमयी घटनाओं के कारण कुछ जगहें आज भी भुतहा रूप में कुख्यात हैं। भुतहा जगहें दुनियाभर में हैं। दोस्तों हम तुम्हें जिन जगहों के बारे में बता रहे हैं, उनमें ऑस्ट्रेलिया, फिलीपिंस, जापान, डेनमार्क, फ्रांस से लेकर भारत तक की जगहें शामिल हैं।

यहां जाने से डरते हैं लोग

रिनहम हॉल, ब्रिटेन

यह ब्रिटेन की डरावनी जगह मानी जाती है, कहते हैं कि एक भूरी लेडी का भूत यहां है। लोग भूत को भूरी लेडी इसलिए कहते है क्योंकि वह भूरे रंग का लबादा ओढ़े रहती है। लोगों का मानना है कि जो भूत दिखाई देता है वह ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री की बहन डोर्थी वालपूल की आत्मा है। जो कहानी प्रचलित है उसके मुताबिक़ उसे यहां के एक लोकल लॉर्ड के साथ अफेयर करते हुए पकड़ लिया गया था। बाद में, उसे रिनहम हॉल के एक कमरे में कैद कर दिया गया था। वह मर गई और उसकी आत्मा तब से इस इमारत में भटकती है। डोर्थी के भूत को कई बार देखने का दावा किया जाता है।

बीचवर्थ का पागलखाना, ऑस्ट्रेलिया

विक्टोरिया के ओस्ट्रेलिया में है जो 1867 से 1995 तक एक मेंटल हॉस्पिटल (पागलखाना) था। 1200 मरीजों की क्षमता थी। 130 साल के इतिहास में यहां 9000 पेशेंट मरे हैं। माना जाता है कि यहां उनकी आत्माएं हैं, इसलिए लोग यहां जाने से डरते हैं।

द प्रिंसेस थियेटर, ऑस्ट्रेलिया

माना जाता है कि इस थियेटर में 1888 में एक इटैलियन सिंगर फ्रेडेरिक बेकर की स्टेज पर मौत हो गई थी तब से ही उसकी आत्मा यहां भटकती है। कई सालों तक यहां जब कोई परफॉर्मेंस होती थी तो उस दौरान फ्रेडरिक के लिए एक सीट रिजर्व रखी जाती थी।

ओकिघारा, जापान

जापान की यह जगह दुनिया में सुसाइड फॉरेस्ट के नाम से मशहूर है। यहां सैकड़ों की संख्या में लोग सुसाइड के लिए जाते हैं। अक्सर यहां की लोकल पुलिस को सुसाइड किए लोगों की बॉडी मिलती रहती है। हालांकि अब तक कितने लोगों ने यहां आत्महत्या की है इस बारे में ठीक-ठीक कुछ दावा नहीं किया जा सकता है। कहा जाता है कि जिन लोगों ने यहां सुसाइड की हैं, उनकी आत्माओं का यहां वास है।

लुलिया हसडेउ, रोमानिया

इस इमारत का निर्माण लुलिया नाम की 19 साल की लड़की के पिता ने रोमानिया में करवाया था। पिता ने इस महल और अपने पूरे जीवन को लुलिया के लिए समर्पित कर दिया और आध्यात्मिक हो गए। कहते हैं कि लुलिया के पिता इस इमारत के एक कमरे में आत्माओं से संपर्क किया करते थे। इस कमरे की सारी दीवार काले रंग से पुती हुई थी। लोगों का यह भी कहना है कि आज भी यहां लुलिया सफ़ेद कपड़ों में रात को टहलती है, और पियानो पर दर्दनाक संगीत बजाती है।

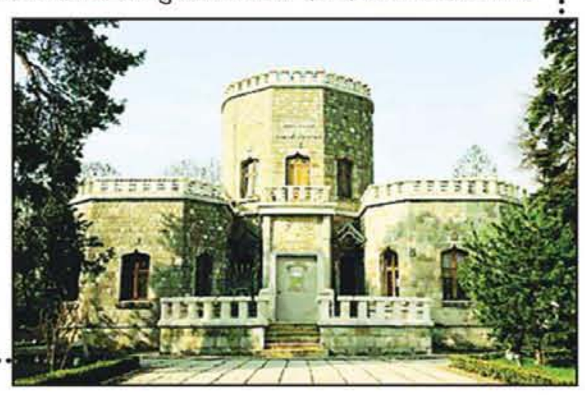

ऐसा गांव जहां नहीं हैं सड़कें-गाड़ी

नदी में बोट पर होती है सवारी

दोस्तों, दुनियाभर में ऐसे कई खूबसूरत शहर हैं जो हमेशा से ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहे हैं। इन शहरों में हर साल हजारों की संख्या में टूरिस्ट आते हैं और अद्भुत नजारों का आनंद उठाते हैं। लेकिन क्या आप किसी ऐसे गांव के बारे में जानते हैं, जहां एक भी सड़क नहीं है, फिर भी ये गांव पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं। यदि नहीं तो बता दें नीदरलैंड स्थित गिएथूर्न गांव ऐसा है, जहां सड़कें नहीं है, लोग नदियों में बोट पर सवार होकर यहां-वहां आते-जाते हैं। ये गांव 1958 के बाद लाइमटाइट में आया।

बता दें कि इस गांव में एक भी गाड़ी नहीं है। जिस किसी को भी कहीं जाना-आना होता है तो वह बोट के सहारे ही जाता है। यहां के नहरों में इलेक्ट्रिक मोटर बोट चलती हैं, जिसके जरिए लोग आते जाते हैं। कुछ लोगों ने एक से दूसरी जगह जाने के लिए गांव के बीच से गुजरने वाली नहर पर लकड़ी के पुल बना लिए हैं। इस गांव का नाम गेटेनहोर्न था। बाद में इसका नाम गिएथूर्न हो गया। यहां पर 2600 लोग रहते हैं। गांव में नहर बनाने के पीछे भी एक इतिहास है। ऐसा कहा जाता है कि 1 मीटर गहरी इन नहरों की खुदाई ईंधन में उपयोग किए जाने वाले एक प्रकार के घास को एक-छोर से दूसरे छोर पर ले जाने के लिए किया गया था। खुदाई के दौरान यहां कई तालाब और झील बन गई। तब, शायद किसी को यह अंदाजा नहीं होगा कि यहां बनाई गई नहरों के कारण यह जगह दुनियाभर में खूबसूरत पर्यटक स्थल के रूप में छा जाएगी।

हेल फायर क्लब, आयरलैंड

आयरलैंड की इस डरावनी इमारत का निर्माण मोंटपिलर हिल में 1725 के दौरान किया गया था। इस जगह का इस्तेमाल डबलिन इलीट, अय्याशी और शैतान की पूजा के लिए किया करते थे। इसे आयरलैंड की डरावनी जगहों में शुमार किया जाता है।

मनीला फिल्म सेंटर, फिलीपिंस

हालांकि यह टिपिकल डरावनी जगहों की तरह दिखाई तो नहीं देता है लेकिन इसे यहां सबसे डरावनी जगहों में शुमार किया जाता है। गौरतलब है कि 1981 में यहां निर्माण कार्य के दौरान 169 मजदूर सीमेंट ढहने से दब गए थे इसमें कई की दर्दनाक मौत हो गई थी। दुर्घटना के बाद करीब 9 घंटे तक कोई रेस्क्यू यहां नहीं पहुंचा था। कहते हैं मृत मजदूरों की आत्माएं आज भी यहां भटकती हैं, कई लोग उन्हें देखने और अपने डरावने अनुभव का दावा करते हैं।

ड्रैगसोलम स्लॉट, डेनमार्क

इस दुर्ग का निर्माण 1215 में किया गया था जिसे 1694 में फिर से बनाया गया। यहां कई सारे कैदियों को एकसाथ रखा जाता था, और उन्हें यातनाएं दी जाती थी। कहते हैं कि यहां तीन भूत हैं, जिनमें एक ग्रे लेडी और एक महिला लेडी जबकि एक कैदी का भूत है। अगर यहां के लोगों के अनुभव की माने तो कई बार इनके यहां होने की बाते सामने आई हैं।

चटेऊ डी चटेऊब्रियांट, फ्रांस

इस महल की कहानी एक महिला की कमरे में कैद के दौरान हुई मौत से जुड़ी है। यह महल 11वीं शताब्दी में बनाया गया था। कहानी जीन डे लावल और उनकी पत्नी से जुड़ी हुई है। कहते हैं कि 1537 में लावल को अपनी पत्नी पर शक था और उसने उसे एक कमरे में बंद कर जहर देकर मार डाला। लावल के पत्नी की आत्मा इस दुर्ग में आज भी भटकती है कई लोग दावे से उसे देखने की बात करते हैं।

भानगढ़ का किला, राजस्थान

यह राजस्थान के अलवर जिले में है, जहां दर के मारे लोग शाम अंधेरा होने के बाद और सुबह से पहले नहीं जाते हैं। रात में कुछ घटनाओं के बाद आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) ने भी यहां साइन बोर्ड पर चेतावनी लिखी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस किले में जो भी रात में गया, वह कभी फिर वापस नहीं आया। भानगढ़ को अकबर के सेनापति मान सिंह के छोटे भाई माधो सिंह के बेटे भगवंत सिंह ने बसाया था।

काश मैं गोलू जितनी ही निडर होती

मसान की मासूम शालू गुप्ता हो या फिर मिर्जापुर की दबंग गोलू गुप्ता। श्वेता त्रिपाठी ने अपनी ऐक्टिंग के दम पर इन किरदारों में जान डाल दी। बीते दिनों श्वेता त्रिपाठी से हुई खास बातचीत में उन्होंने कई मुद्दों पर खूब बातें कीं।

आंकड़े मुझे समझ नहीं आते

शो क्या मस्त है लाइफ में जेनिया खान नाम का किरदार था। मैंने उसके लिए ऑडिशन दिया और सिलेक्शन हो गया था। मुझे लगता है कि आपको मौके के लिए तैयार रहना चाहिए। जब मिले, तब कैच कर लें। नहीं पता था कि मुझे असल में क्या करना है। बहुत से लोग लक्ष्य बनाकर काम करते हैं। उन पर यह ट्रिक काम भी करती है। मुझे बस कुछ चीजें ही समझ आती हैं जैसे मेरी फिल्म कितने थिएटर में रिलीज हो, वो फिल्म क्या कहना चाहती है, उसमें नयापन क्या है? फिल्म ने कितना कमाया, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े मुझे समझ नहीं आते। यह मेरी प्राथमिकता नहीं है।

काश, मैं गोलू जितनी ही निडर होती

मिर्जापुर में मेरा गोलू का किरदार काफी पसंद किया गया। एक दबंग किरदार है। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि क्या यह कैरेक्टर आपसे रिलेट करता है तो मैं कहूंगी कि काश मैं भी गोलू की तरह निडर होती। वैसे, मैं निडर हूं लेकिन गोलू जितनी नहीं। सच बताऊं तो गोलू के कैरेक्टर के लिए मुझे बुरा फील होता है क्योंकि वह एक साधारण सी लड़की थी लेकिन उसकी जिंदगी से बहन, दोस्त को छीन लिया जाता है। वह मजबूरी में ऐसी बनी है। मुझे लग रहा था कि शायद मुझे गोलू की तरह ही किरदार ऑफर होने लगें लेकिन ऐसा नहीं है। मेरी अभी वेब सीरीज ये काली काली आंखें आने वाली है, इसमें मेरा किरदार बहुत अलग है। मैं शुक्रगुजार हूं कि अभी तक मुझे जितने भी रोल मिले हैं, वो एक दूसरे से बहुत अलग हैं।

ओटीटी से दुनिया खुल गई

मिर्जापुर एक ऐसी सीरीज है, जिसको दर्शकों का बहुत प्यार मिला। अभी इसका चौथा सीजन लिखा जा रहा है। सीरीज को जितना पसंद किया गया, उससे हम लोगों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। दर्शक नया और अनोखा देखने की उम्मीद करते हैं। ओटीटी की बात की जाए तो सिर्फ ऐक्टर ही नहीं बल्कि राइटर, लाइटमैन, स्पॉट बॉय तक को खूब काम मिल रहा है। ओटीटी की वजह से स्क्रीन का साइज बड़ा कर दिया गया है। अब हम बिहार में बैठकर विदेशी फिल्में देख सकते हैं। ओटीटी से दुनिया खुल गई है। मेरे हिसाब से आर्ट और कहानियां भाषा में नहीं बंधनी चाहिए। पहले इंटरनैशनल अवॉर्ड विनिंग मूवी देखने के लिए ढूंढनी पड़ती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है।

वकील, हाइस्ट और टीचर का रोल करना है

मुझे टीचर का किरदार निभाना है। मुझे वकील बनना था। अगर मुझे दमदार वकील का रोल मिला तो जरूर करूंगी। मनी हाइस्ट में प्रोफेसर की तरह वाला रोल करने की तमन्ना है। यह तीन ऐसे किरदार हैं, जिनको मैं शिद्दत के साथ करना चाहती हूं। बस मौके की तलाश में हूं।

आगे खिसकी सूर्या की कंगुवा की रिलीज की तारीख, अब रजनीकांत की वेट्टैयन के साथ नहीं भिड़ेगी फिल्म

साउथ सुपरस्टार सूर्या की कंगुवा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वे लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। अब इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यह फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह तय समय पर रिलीज नहीं होगी। निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीख को आगे खिसका दिया है, जिससे सूर्या के प्रशंसक निराश हो गए हैं।

निर्देशक सिरुथाई शिवा की सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पटानी अभिनीत फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट बदल दी गई है। यह फैंटेसी-एक्शन फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए इसका एलान किया है। कंगुवा अब नवंबर में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए फिल्म के निर्माता स्टूडियो ग्रीन ने एक्स पर लिखा, गर्व और गौरव की लड़ाई, जिसे दुनिया देखेगी। कंगुवा का शक्तिशाली शासन 14 नवंबर 2024 से स्क्रीन पर धूम मचाएगा।

दरअसल, इससे पहले कंगुवा 10 अक्तूबर को टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी रजनीकांत अभिनीत वेट्टैयन के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली थी, लेकिन इस टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया गया था। निर्देशक सिरुथाई शिवा की कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन है फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 350 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट पर तैयार किया गया है। फिल्म में सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पटानी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

धनुष की अगली फिल्म इडली कढ़ाई का एलान

अभिनेता धनुष ने अपनी अगली फिल्म का एलान कर दिया है। यह निर्देशक के रूप में उनकी चौथी और अभिनेता के रूप में 52वीं फिल्म है। अभिनेता ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का कॉन्सेप्ट पोस्टर साझा किया। वहीं, उन्होंने इसके शीर्षक से भी पर्दा उठा दिया पोस्ट देख साफ हुआ कि फिल्म का नाम इडली कढ़ाई है। इडली कढ़ाई के एलान ने धनुष के प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है।

आयरनमैन ट्रायथलॉन को पूरा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं सैयामी

सैयामी खेर ने कई भारतीय फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। बड़े पर्दे पर चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने वाली सैयामी ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म मिर्जिया से हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की थी। सैयामी अग्नि में एक अग्निशमन दस्ता के सदस्य की भूमिका में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने कुछ खतरनाक स्टंट भी किए थे। घूमर में भी पैराप्लेजिक किरदार की अपनी भूमिका से सभी का दिल जीता। अब कई महीनों के गहन प्रशिक्षण के बाद आयरनमैन ट्रायथलॉन 2024 को सैयामी खेर ने सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सैयामी ने बर्लिन में आयरनमैन दौड़ में भाग लिया था।

सैयामी ने आयरनमैन 70.3 रेस को पूरा कर लिया है। इस ट्रायथलॉन में दौड़, तैराकी, साइकिलिंग शामिल होता है। इन सभी को मिलाकर कुल 113 किमी दूरी तय करनी होती है। बता दें सैयामी इसके लिए काफी दिनों से मेहनत कर रही थीं। सैयामी फिल्मों की शूटिंग के साथ समय निकालकर इस ड्रीम को पूरा करने की जीतोड़ कोशिश करती रहीं। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने ये मुकाम हासिल कर लिया। सैयमी ऐसी पहली भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में आयरनमैन 70.3 को पूरा किया है। सैयामी के अलावा, आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेने वाले एकमात्र बॉलीवुड सेलिब्रिटी मिलिंद सोमन हैं।

सैयामी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की और लिखा, आयरनमैन 70.3 फिनिशर यह कुछ रोमांचकारी था, कड़ाके की ठंड और रास्ते में रास्ता भटक जाना! एक बार जब यह सब समझ में आ जाए, तो जल्द ही लंबी पोस्ट लिखूंगी। बता दें अभिनेत्री अपनी फिल्म घूमर की स्क्रीनिंग के लिए कनाडा में थीं और वहां से सीधे दौड़ के लिए जर्मनी पहुंचीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस रेस को पूरा करने के बाद सैयामी ने इंटरव्यू में कहा, आयरनमैन 70.3 की फिनिश लाइन को पार करना और वह पदक हासिल करना मेरे जीवन के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है।

तुम्बाड को सोहम शाह ने बताया अन्य हॉरर फिल्मों से अलग, फिल्म के सीक्वल को लेकर भी की बात

साल 2018 की फिल्म तुम्बाड को दोबारा से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है, फिल्म काफी शानदार प्रदर्शन भी कर रही है। इस बीच फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता सोहम शाह ने इसे अन्य हॉरर फिल्मों से काफी अलग बताया है।

लोकप्रिय और बेहद चर्चित फिल्म तुम्बाड एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। फिल्म की मूल रिलीज साल 2018 में हुई थी। अब इसके छह साल बाद इसे दोबारा से रिलीज किया गया है। दिलचस्प बात है कि फिल्म इस बार टिकट खिड़की पर पहले से भी ज्यादा सफल साबित हुई है। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इस फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता सोहम शाह ने फिल्म की सफलता को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने हाल में ही इंडिया टुडे के साथ एक इंटरव्यू के दौरान इसे समकालीन हॉरर फिल्मों से अलग बताया है। इंटरव्यू के दौरान सोहम शाह ने कहा कि ये फिल्म अन्य हॉरर फिल्मों से अलग है। उन्होंने फिल्म के अनूठे पहलुओं पर जोर देते हुए कहा कि ये स्त्री और मुंजा जैसी अन्य लोककथा आधारित हॉरर फिल्मों में अलग है। अभिनेता ने कहा कि वो लोग दादी-नानी की कहानियां नहीं बना रहे। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या मैडॉक की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को मिली शानदार सफलता को देखते हुए उनके लिए तुम्बाड 2 बनाना आसान होगा, जो एक जैसे थीम पर आधारित हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है। अभिनेता सह निर्माता ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह कोई समस्या है। उन्होंनें कहा, वो फिल्में अलग हैं, उनमें कोई भी तुम्बाड जैसी नहीं हैं। इन कहानियों में काफी अंतर है। उन्होंने आगे कहा कि तुम्बाड एकमात्र ऐसी फिल्म है, जो दादी-नानी की कहानियों पर आधारित है। अभिनेता ने इसमें जोड़ते हुए आगे कहा, वे दादी-नानी की कहानियां नहीं बना रहे हैं। हमारी कहानी आधुनिक समय पर आधारित नहीं है। हमारी फिल्म उस समय में शुरू और खत्म होती है। हमारे पास एक राक्षस है।

तुम्बाड 2 की स्क्रिप्ट पर चल रहा है काम

अभिनेता ने तुम्बाड की दोबारा रिलीज को मिली सफलता पर दर्शकों का आभार जताया। निश्चित तौर पर फिल्म को मिली इस सफलता से उन्हें तुम्बाड 2 को लेकर प्रोत्साहित किया है। इस वजह से हाल में ही उन्होंने एक छोटे टीजर से इस फिल्म के सीक्वेल की घोषणा की है। उन्होंने इसके सीक्वेल को लेकर कहा कि फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन के चरण में है।

इंडस्ट्री में छह साल बिताने के बाद भी इस चीज से जूझ रहे हैं ईशान

ईशान खट्टर अपनी वेब सीरीज द परफेक्ट कपल को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उन्होंने निकोल किडमैन, डकोटा फैनिंग और ईव हेवसन के साथ काम किया है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि इंडस्ट्री में उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज से जूझना पड़ता है। यही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि है कि उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज को लेकर फीडबैक मिला है।

ईशान खट्टर भले ही सिर्फ कुछ फिल्में ही कर चुके हों, लेकिन उन्होंने बड़े पर्दे, ओटीटी और हॉलीवुड दोनों पर अपने प्रोजेक्ट्स की वजह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली है। धड़क (2018) में जान्हवी कपूर के साथ हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाले इस अभिनेता ने पिप्पा, ए सूटेबल बॉय और कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। हालांकि, इंडस्ट्री में करीब छह साल रहने के बाद भी, अभिनेता अभी भी एक बड़ी कमी से जूझ रहे हैं और वह है कि बहुत कम उम्र का दिखना।

हाल ही में, इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मुझे जो सबसे लगातार फीडबैक मिला है, वह यह है कि मैं बहुत कम उम्र का दिखता हूं। उन्होंने आगे कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तब मैं 21 साल का था। अभिनेता ने आगे बताया कि लंबे समय से मुझे यही फीडबैक मिल रहा है कि मैं बहुत यंग दिखता हूं। अच्छा हो या बुरा, हम यहां युवा चेहरों और युवा अभिनेताओं के लिए बहुत ज्यादा भूमिकाएं नहीं लिखते हैं। इसलिए, मैं बहुत भाग्यशाली था कि मुझे दो-तीन सालों में ही कुछ अच्छे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए, ईशान ने कहा, मैंने कभी भी बहुत ज्यादा प्लान नहीं बनाए हैं। मैं काफी हद तक भाग्यशाली भी रहा हूं और मुझे ऐसे अवसर मिले हैं। मैं अपने करियर में केवल छह साल ही रहा हूं और मुझे शानदार अवसर मिले हैं। मैंने हमेशा अपने काम को अलग-अलग तरह से करने का प्रयास किया है।

टीवी से होने के कारण फिल्मों से हाथ धो बैठीं क्रिस्टल डिसूजा?

क्रिस्टल डिसूजा टीवी इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। क्रिस्टल को एक हजारों में मेरी बहना है से लोकप्रियता हासिल हुई थी। हालांकि, एक ऐसा समय भी आया, जब अभिनेत्री को घर बैठना पड़ गया था। हाल ही में, बॉलीवुड बबल से एक बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें एक प्रोजेक्ट की शूटिंग से दो दिन पहले बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। अभिनेत्री ने आगे यह भी कहा कि ऐसा भी हुआ है मेरे साथ की शूट के लिए मुझे दो दिन पहले निकलना होता है और ऐसे कॉल आते हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि मेरे हाथ से कई फिल्में इसलिए भी निकल चुकी हैं क्योंकि हम लोग टीवी से हैं।

ग्रेटर नोएडा में आ रहे हैं ब्रज,अवध,रुहेलखंड व पूर्वांचल के कलाकार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश की समृद्धशाली सांस्कृतिक धरोहर की झलक दिखाने के लिए ब्रज, पश्चिमांचल, अवध, रुहेलखंड, बुंदेलखंड और पूर्वांचल के कलाकार आ रहे हैं। इन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा में खूब रंग जमाएंगे।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा शहर में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक दूसरी बार यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 का आयोजन किया जा रहा है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया जाएगा। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और संगीत की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा की जाएगी। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए तैयार है। ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर की अनूठी मिसाल पेश की जाएगी। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 में प्रदेश की समृद्धिशाली अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत विभिन्न अंचलों ब्रज, पश्चिमांचल, अवध, रूहेलखंड, बुंदेलखंड व पूर्वांचल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। संगीत के क्षेत्र में प्रदेश का नाम ऊंचा करने वाले प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा भी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रस्तुति दी जाएगी।

लोक नृत्य बांधेंगे समां

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रस्तुत किए जाने वाले उत्तर प्रदेश के लोक नृत्य दर्शकों को बेहद आकर्षित करेंगे। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 में प्रमुख तौर पर गुजरी लोकनृत्य, मयूर लोकनृत्य, बीन नृत्य, मादल लोकनृत्य, ढेढ़िया लोकनृत्य, धोबिया लोकनृत्य, राई लोकनृत्य, पाई-डंडा लोकनृत्य, थारू आदिवासी लोकनृत्य, फरूआई लोकनृत्य, सैरा, लोकनृत्य तथा बधावा लोकनृत्य की प्रस्तुति लोक कलाकारों द्वारा दी जाएगी।

विदेशी कलाकारों को भी देखेंगे दर्शन

ग्रेटर नोएडा में आयोजित किए जाने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस वर्ष अतिथि देश वियतनाम है। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान वियतनाम के कलाकारों द्वारा भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इसके अलावा बोल्विया, रूस, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, ब्राज़ील, वेनेजुएला व इजिप्ट के कलाकार भी अपने देश की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुक्त कर देंगे।

नोएडा में सामने आया हैरतअंगेज मामला पिलर पर अटकी युवती की जिंदगी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में आज एक खैरतअंगेज सड़क हादसा सामने आया। नोएडा के थाना सेक्टर- 20 क्षेत्र के सेक्टर- 25 में बने एलिवेटेड पुल पर एक कार की टक्कर के बाद स्कूटी पर पीछे बैठे युवती नीचे गिर गई और एलिवेटेड पुल के पिलर के बेस पर जाकर फंस गई।

उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में आज एक लड़की की जान आफत पर बन आई। नोएडा के एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार दोपहर करीब 12:45 पर एक स्कूटी सवार अपनी महिला मित्र के साथ सेक्टर-18 नोएडा से अपने घर गाजियाबाद के लिए जा रहे थे। सेक्टर- 25 में एलिवेटेड पुल के ऊपर मंगल बाजार के पास जैसे ही उनकी स्कूटी पहुंची आगे चल रही वैगनआर कार के चालक ने टर्न लेने के लिए गाड़ी को मोड़ दिया। जिस वजह से स्कूटी सवार अपना नियंत्रण खो बैठा और स्कूटी डिवाइडर से जाकर टकराई। इस हादसे में स्कूटी पर पीछे बैठे महिला डिवाइडर से टकराकर एलिवेटेड पुल से नीचे गिरी और पिलर के ऊपर खाली जगह (बेस) में गिरकर फंस गई। देखते ही देखते एलिवेटेड पुल के नीचे और ऊपर लोगों की भीड़ जुट गई। युवती को बचाने के लिए एलिवेटेड पुल से दो लोग नीचे भी उतारे। युवती काफी देर तक पिलर के बेस पर फंसी रही।

एडीसीपी नोएडा ने बताया कि सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी रेस्क्यू करने पहुंची और उन्होंने क्रेन के माध्यम से लड़की को पिलर के बेस से उतरा और उपचार के लिए अस्पताल भेजा पुलिस ने जिस गाड़ी से दुर्घटना हुई है उसको भी कब्जे में ले लिया है और युवती को बचाने के लिए जो दो लोग पिलर पर उतरे थे उन्हें भी उपचार के लिए अस्पताल में भेजा है।

ग्रेटर नोएडा के ट्रकर्स प्वाइंट पर बढ़ेंगी सुविधाएं

ढाबा खोलने के लिए प्राधिकरण ने निकाली योजना

ग्रेटर नोएडा। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के नजदीक सिरसा इंटरचेंज में बनाए गए ट्रकर्स प्वाइंट पर चालकों को सुविधाएं मुहैया होंगी। उन्हें भोजन आदि की सुविधा मिलेगी। प्राधिकरण ने ट्रकर्स प्वाइंट पर एक ढाबा और दस दुकानों के आवंटन की योजना निकाली है। इनका आवंटन नीलामी के माध्यम से होगा। प्राधिकरण सेक्टरों में भी निर्मित दुकान व क्योस्क भी आवंटित करेगा। योजना में कुल 43 दुकान व नौ क्योस्क का आवंटन होगा। बीस सितंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गौतमबुद्ध नगर में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के जरिये बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। सिरसा गांव के नजदीक बने इंटरचेंज से वाहनों एक्सप्रेस वे पर निकासी व प्रवेश करते हैं। वाहन चालकों की सुविधा के लिए प्राधिकरण ने इंटरचेंज के नजदीक दस एकड़ में ट्रकर्स प्वाइंट विकसित किया है, लेकिन अभी तक यहां सुविधाओं का अभाव है।

पंजीकरण के लिए 18 अक्टूबर तक का समय दिया गया

ट्रकर्स प्वाइंट पर लोगों को खाने पीने व जरूरी सामान की उपलब्धता के लिए 400 वर्गमीटर क्षेत्रफल में एक ढाबा व 18.48 वर्गमीटर में 10 दुकानों का निर्माण किया गया है। इनके आवंटन के लिए प्राधिकरण ने योजना निकाली है। योजना में 15 अक्टूबर तक आवेदन का मौका दिया गया है। दस्तावेज व पंजीकरण शुल्क के लिए 18 अक्टूबर तक का समय दिया गया है।

सेक्टरों में 43 दुकानों व 9 क्योस्क का भी नीलामी से आवंटन

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि ट्रकर्स प्वाइंट के अलावा गामा एक, बीटा दो, डेल्टा एक, डेल्टा दो, स्वर्णनगरी, ईकोटेक दो, कासना बस डिपो, ओमीक्रोन तीन, फाई तीन आदि सेक्टरों में 43 दुकानों व 9 क्योस्क का भी नीलामी से आवंटन होगा। आवंटी को एक माह के अंदर कब्जा दिया जाएगा। इनके आवंटन से लोगों को सेक्टर भी जरूरी सामान की खरीदारी की सुविधा मिल जाएगी।

घरों में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने नौकरी पेशा लोगों के घरों का ताला तोड़कर नकदी, जेवरात तथा कपड़े चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इस चोर की गिरफ्तारी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की है। अभियुक्त ने अब तक चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से फ्लैट से चोरी किये गये सोने-चांदी के आभूषण (कीमत 4 लाख रूपये), चोरी के 2 मोबाइल फोन, 17 सौ रूपये, कपडे तथा घटना में प्रयुक्त होने वाली स्कूटी बरामद किया है।

थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि 14 सितंबर एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ड्यूटी पर जाने के बाद उसके फ्लैट से ज्वैलरी, 2 जोडी कोट-पैंट, ब्लेजर, 2 मोबाइल फोन एवं 6 हजार रूपये चोरी हो गए हैं। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच पड़ताल कर रही थाने की गठित पुलिस टीम ने घटना के पूर्व एवं पश्चात के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया तो एक संदिग्ध व्यक्ति बैंग व कोट पेंट स्कूटी से ले जाता हुआ दिखायी दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्कूटी एवं स्कूटी के चालान से मिले मोबाइल नम्बर को ट्रेस किया गया तो स्कूटी सवार व्यक्ति की पहचान अंकित श्रीवास्तव पुत्र राम नरेश के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि गठित टीम द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी की घटना करने वाले अभियुक्त अंकित को आज बहलोलपुर अण्डरपास से गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से चोरी किये गये सोने-चांदी के आभूषण आदि बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त एक शातिर किस्म का चोर है। जो नशे करने का आदि है तथा अपने पास चाबी का एक गुच्छा रखता है एवं रैकी कर ताला लगे फ्लैट खोलकर चोरी कर लेता है।

मुम्बई व गोवा के जहाजों पर नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी, युवती समेत पांच गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। समुंद्र में शिप (क्रूज) पर ऊंचें पदों पर नौकरी लगवाने के नाम पर बेरोजगारों से ठगी करने वाले एक कॉल सेंटर का थाना सेक्टर-58 पुलिस ने खुलासा करते हुए एक युवती समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल फोन, मोहरें, महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किया है। इस ठगी में शामिल एक युवती समेत दो लोग फरार है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना सेक्टर- 58 पुलिस ने सेक्टर-62 स्थित आइथम टावर में चल रहे अवैध कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। उन्होंने बताया कि मौके से पुलिस ने अंकित पुत्र रामबहादुर, अरीबा पुत्री अहमद हुसैन, यावेन्द्र पुत्र रामपाल सिंह, दुर्गेश यादव पुत्र भगवानदास तथा बादल पुत्र मूलचन्द्र को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से विज्ञापन देकर बेरोजगारों को अपने जाल में फंसाते थे, तथा क्रूज पर नौकरी लगवाने और विभिन्न जगहों पर नौकरी लगाने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूल लेते थे। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने 8 कम्प्यूटर सीपीयू, 1 लैपटाप, 5 मोबाइल, 11 मोहरे, 2 सिम कार्ड, 1 एसआईडी कार्ड, 1 सीडीसी, 1 पासपोर्ट 8 दस्तावेज व आफर लेटर बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि कल एक पीड़ित युवक ने थाने पर आकर शिकायत की दी कि उसे नौकरी की तलाश थी। फेसबुक पर उसने यथार्थ गरुप कन्सट्रक्शन एवं फैक्ल्टी मैनेजमेंट नाम से एक एड देखा। जिसमें दिये गये नंबर पर व्हास्टएप पर काल की तो बताया गया कि कंपनी शिप (क्रूज) पर विभिन्न पदों पर नौकरी दिलाने का काम करती है। वादी ने आकाश से बात कि तथा उसने ऑन लाईन इन्टरव्यू गूगल मीट पर कराया और कहा कि आपका सलेक्शन मुम्बई टू गोवा शिप के लिए हो गया है। आप को नोएडा मेडिकल के लिए आना पडेगा। जिसके लिए 11 हजार रुपये लगेंगे।

वादी ने 11 हजार रुपये आन लाईन गुगल पे पर अंकित सिंह को भेज दिया। कुछ दिन बाद यथार्थ ग्रूप की तरफ से ईमेल मेल आया कि आपको 38600 रुपए और देने हैं। पीड़ित ने अच्छी नौकरी के लालच में 38600 उनके बताये गए खाते में भेज दिया। इसके बाद कंपनी का मेल आया कि आपको मुम्बई टू गोवा शिप कस्टूमर सर्विस पर ज्वाईन करना है। यथार्थ गरुप कन्सट्रक्शन एवं फैक्ल्टी मैनेजमेंट कंपनी के द्वारा पीड़ित को कूटरचित ऑफर लेटर व मेडीकल तैयार कर मेल पर भेजा गया। जो पूरी तरह से फर्जी था। एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्तों से ज्ञात हुआ कि इस कॉल सेन्टर के मलिक अंकित है। जो फेसबुक व इंस्टाग्राम पर शिप व अन्य जगहों पर सिविल, कंट्रक्शन, हाउसकीपिंग, सिक्योरिटी गार्ड, गन मैन, मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, सुरपरवाईजर, हाउस कीपिंग स्टाफ आदि पदों पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों के साथ ठगी की घटनाओं को बेखौफ होकर अंजाम दे रहा था।